हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 नवरात्रि आज से प्रारंभ | सम्पादकीय नेपाल में बारिश-बिहार में तबाही सात दशक | भारत 2028 तक एक ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल 5

वर्ष 11 अंक 131 E-mail: dholpur@hotmail.com फरीदाबाद, गुरूवार 03 अक्टूबर 2024 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

दुनिया का सबसे सफल जन आंदोलन बना स्वच्छ भारत अभियान : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को स्वच्छ भारत अभियान को इस सदी में दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सफल जनआंदोलन करार दिया और कहा कि 'विकसित भारत की यात्रा में हर प्रयास 'स्वच्छता से संपन्नता के मंत्र को मजबूत करेगा। स्वच्छ भारत अभियान आरंभ होने के 10 साल पूरे होने के अवसर पर यहां विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में स्वच्छता और सफाई से संबंधित 9,600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने स्वच्छता को हर नागरिक के जीवन का अभिन्न अंग बनाते हुए भावी पीढ़ियों में इस मूल्य का संचार करने पर भी जोर दिया।

दुनिया का सबसे सफल जन आंदोलन बना स्वच्छ भारत अभियान

उन्होंने कहा, ''आज से एक हजार साल बाद भी जब 21वीं सदी के भारत का अध्ययन होगा तो उसमें स्वच्छ भारत अभियान को जरूर याद किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन इस सदी में दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सफल जनभागीदारी, जन नेतृत्व वाला जन आंदोलन है। इस मिशन ने मुझे

ईश्वररूपी जनता-जनार्दन की साक्षात ऊर्जा के भी दर्शन कराए हैं। उन्होंने कहा, ''विकसित भारत की यात्रा में हमारा हर प्रयास स्वच्छता से संपन्नता के मंत्र को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छता की प्रतिष्ठा बढ़ने से देश में एक बहुत बड़ा मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले साफ-सफाई के काम से जुड़े लोगों को किस नजर से देखा जाता था, यह पूरा देश जानता है लेकिन स्वच्छ भारत अभियान ने इस सोच को भी बदल दिया। उन्होंने कहा, ''साफ-सफाई करने वालों को आज जब मान-सम्मान मिला तो उनको भी गर्व हुआ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान लाखों भारतीयों की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है और पिछले 10 वर्षों में अनगिनत नागरिकों ने इसे अपनाया है और अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया है। उन्होंने कहा, ''स्वच्छता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता आजीवन प्रतिज्ञा है, न कि एक बार किया गया कोई वादा। हमें स्वच्छता को हर नागरिक के जीवन का अभिन्न अंग बनाते हुए भावी पीढ़ियों में इस मूल्य का संचार करना होगा। उन्होंने कहा, ''गंदगी के प्रति नफरत ही हमे स्वच्छता के लिए मजबूर कर सकती है और मजबूत भी कर सकती है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर जल संरक्षण, जल शोधन और नदियों की सफाई के महत्व को भी रेखांकित किया और इसे प्राप्त करने के लिए लगातार नई तकनीकों में निवेश करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने पर्यटन पर स्वच्छता के महत्वपूर्ण प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि देशवासियों को पर्यटन स्थलों, पवित्र तीर्थ स्थलों और सांस्कृतिक विरासत की स्वच्छता और साफ-सफाई को बनाए रखना चाहिए।

नि:स्वार्थ सेवा भाव है सनातन संस्कृति का मूल-मंत्र : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में की संत ईश्वर सम्मान 2024 समारोह में सहभागिता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नि-स्वार्थ भाव से समाज की सेवा करने का मौका मिलना परमात्मा की कृपा है। मृत्यु-लोक में अपने प्रारब्ध के बल पर 84 लाख योनियों में से मानव शरीर का मिलना भी परमात्मा की कृपा है। जन्म और मृत्यु के बीच काल-खंड में अपने श्रेष्ठ कर्मों से प्रारब्ध को सत्कर्मों में बदलने, विशेषकर समाज सेवा का अवसर परमात्मा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि संत ईश्वर सम्मान जैसा मंच समाज सेवा की इस अनुपम भावना को मान्यता प्रदान करता है। संत ईश्वर फाउंडेशन और राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा सुदूर क्षेत्रों से आए सनातन संस्कृति के विभिन्न समाजसेवियों को सम्मानित कर समाज सेवा की परंपरा को बढ़ाने का काम सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को दिल्ली के भारत मंडपम् में आयोजित

संत ईश्वर सम्मान समारोह 2024 में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सनातन संस्कृति विश्व में अद्वितीय है, जो हमारे लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति में अग्नि-वस्त्रधारी संतों का योगदान सर्वाधिक है, जो प्राणियों को सूर्य की भूमिका में ऊर्जा और मार्गदर्शन देते हैं। संत और सनातन परंपरा जीवन की कठिनाइयों और चुनौतियों से सामना करने की राह दिखाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संतश्री 33 करोड़ देवताओं का प्रतिनिधित्व कर 'यद् पिण्डे-तद् ब्रह्मांडे' के वैदिक वाक्य को चरितार्थ कर रहे है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'संत ईश्वर फाउंडेशन' ने पिछले 22 वर्षों में जो उत्कृष्ट कार्य किये हैं, वे समाज सेवा का सच्चा उदाहरण है। फाउंडेशन ने ऐसे क्षेत्रों में सेवा का दीपक जलाने का बीड़ा उठाया है, जहाँ संसाधनों का अभाव है और शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं तक पहुँच सीमित है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, सामाजिक और आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण साधन है। फाउंडेशन ग्रामीण औद दुर्गम क्षेत्रों शिक्षा का अलख जगाने का कार्य कर रहा है, जो आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों के कारण शिक्षा से वंचित हैं। समाज में एकता, समरसता और शिक्षा के प्रसार के लिये फाउंडेशन के कार्य प्रशंसनीय हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में विशेष योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में श्रीराम कथा से सनातन की अलख जगाने वाले व अपनी कविताओं से युवाओं के मन में राष्ट्र सेवा का जागरण करने वाले कवि श्री कुमार विश्वास को संत ईश्वर विशेष सम्मान प्रदान किया गया। शाजापुर जिले के काला पीपल निवासी श्री जयराम पाटीदार को वर्ष 2002 से श्रीकृष्ण बलराम गौशाला के माध्यम से गौवंश की सेवा, पंचगव्य उत्पादों के निर्माण, प्राकृतिक खेती और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण क्षेत्र के संत ईश्वर सम्मान से पुरस्कृत किया गया।

महात्मा गांधी के योगदान ने भारत को विश्व में एक अलग पहचान दिलाई : मुख्यमंत्री डॉ . मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महात्मा गांधी के असीम योगदान ने भारत को दुनिया में एक अलग पहचान दी। वे ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व के धनी थे, जिन्होंने अहिंसा के मार्ग पर चलकर उस शक्ति को परास्त किया, जिसका विश्व में कभी सूर्यास्त नहीं होता था। उन्होंने भारत की संस्कृति को पृथक दृष्टिकोण से विश्व के सम्मुख रखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह विचार महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर के अवसर पर कुशाभाऊ ठाकरे सभागार परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महात्मा गांधी ने अनेक मोर्चों पर संघर्ष किया। आजादी के लिए संघर्ष के साथ-

साथ असमानता के विरुद्ध लड़ाई लड़ने और स्वच्छता के प्रति जागरूकता के लिए भी उन्होंने प्रयास किया। समयबद्धता और स्वदेशी के प्रति आग्रह ऐसे आयाम थे, जिनके माध्यम से वे भारत को सशक्त कर भारत वासियों का जीवन बदलना चाहते थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हीं बिंदुओं को मूर्त रूप देते हुए देशवासियों से स्वच्छता पखवाड़ा मनाने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा दिए गए ÷सबका साथ- सबका विकास÷ के मूल मंत्र में महात्मा गांधी द्वारा दिखाए मार्ग के सभी तत्व विद्यमान है। महात्मा गांधी द्वारा दिखाया गया मार्ग और उनका दर्शन आज की परिस्थितियों में भी बहुत अधिक प्रासंगिक है।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने इटालियन गार्डन मार्ग पर लगाई झाड़ू

ग्वालियर। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ें के समापन दिवस गाँधी जयंती पर केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इटालियन गार्डन मार्ग पर झाड़ू लगाकर शहरवासियों को स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर उनके

साथ जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, निगम सभापति मनोज सिंह तोमर, नगर निगम परिषद के नेता प्रतिपक्ष हरिपाल ने भी झाड़ू लगाकर इटालियन गार्डन मार्ग पर साफ-सफाई की। कार्यक्रम में निगम के उपायुक्त अमर सत्य गुप्ता सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

ग्वालियर की गौशाला का मॉडल देश और दुनिया के लिये उदाहरण बनेगा: मंत्री ज्योतिरादित्य

हमारी संस्कृति में सदैव गौसेवा का महत्वपूर्ण स्थान रहा है: विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह

- लाल टिपारा गौशाला के कंप्रेस्ड बायो गैस संयंत्र का शुभारंभ

ग्वालियर। ग्वालियर की आदर्श गौशाला लाल टिपारा के बायो सीएनजी प्लांट (कंप्रेस्ड बायो गैस संयंत्र) का वर्चुअल शुभारंभ बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नईदिल्ली के विज्ञान भवन से किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद भारत सिंह कुशवाह एवं नगर निगम सभापति मनोज तोमर सहित गौशाला के संत अच्युतानंद महाराज व ऋषभ देव जी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा ग्वालियर की आदर्श गौशाला में स्थापित सीएनजी प्लांट बड़ी मात्रा में जैविक खाद का भी उत्पादन होगा। इससे प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा और ग्वालियर का यह मॉडल देश ही नहीं दुनिया भर के लिये उदाहरण बनेगा। उन्होंने कहा खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाए गए अभियान के तहत ग्वालियर की आदर्श गौशाला में बायो सीएनजी प्लांट की स्थापना हुई है। प्रधानमंत्री ने देश ही नहीं, दुनिया के सबसे महान मार्गदर्शक राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर ग्वालियर को यह सौगात सौंपी है। उन्होंने कहा बापू का भी कहना था कि गौ रक्षा भारतीय संस्कृति का केन्द्रीय तत्व है। इसी भाव के साथ ग्वालियर में संतजनों के सहयोग से लाल टिपारा गौशाला को आदर्श रूप दिया गया है। श्री सिंधिया ने कहा कि पूरा विश्व प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि हमारी संस्कृति में गौसेवा का सदैव से ही महत्वपूर्ण स्थान रहा है। गौ माता के प्रति श्रद्धा व संरक्षण का भाव हमारी रग-रग में बसा है। ग्वालियर की लाल टिपारा गौशाला में इसी भाव के साथ गौवंश की सेवा की जा रही है। सन् 2004 में शुरू हुई इस गौशाला को संतजनों ने पूरी श्रद्धा और समर्पण से आदर्श गौशाला में तब्दील कर दिया है। इसी कड़ी में सरकार की एसएटीएटी योजना के तहत आईओसीएएल के सहयोग से लाल टिपारा गौशाला में कंप्रेस्ड बायो गैस संयंत्र स्थापित हुआ है। इस अवसर पर श्री तोमर ने यह भी कहा कि हम सबके ऐसे प्रयास हों, जिससे कंप्रेस्ड बायो गैस संयंत्र के माध्यम से यह गौशाला बिजनेस मॉडल के रूप में स्थापित हो। साथ ही सभी की श्रद्धा का केन्द्र भी बने।

निगम आयुक्त का हुआ सम्मान

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर सहित अन्य अतिथिगणों ने स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के दौरान निगम आयुक्त अमन वैष्णव के साथ ही उल्लेखनीय काम करने वाले सफाई मित्रों एवं स्वच्छता चैम्पियन को सम्मानित किया।

प्रतिदिन 2 टन से अधिक सीएनजी का होगा उत्पादन, जैविक खाद भी मिलेगा

लाल टिपारा गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के सहयोग से 2 हेक्टेयर क्षेत्र में बायो सी.एन.जी. प्लांट स्थापित किया गया है। इस प्लांट के संचालन के लिए 100 टन गोबर का उपयोग कर प्रतिदिन लगभग 2 टन सीएनजी और सर्वोत्तम गुणवत्ता का जैविक खाद 20 टन मिलेगा। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन प्लांट के संचालन एवं संधारण में भी सहयोग करेगा। यह लाल टिपारा गौशाला कार्बन उत्सर्जन रोकने में वैश्विक आदर्श बनने जा रही है। गौ-शाला में यह सीएनजी प्लांट इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की सामाजिक जिम्मेदारी निधि से 32 करोड़ रूपये की लागत से बना है। भविष्य में विस्तार की संभावना को रखते हुए एक हेक्टेयर की भूमि आरक्षित रखी गई है। गौ-शाला को और विस्तार देने सांसद निधि से 2 हजार गायों के लिये आधुनिक शेड निर्माण के लिए 2 करोड़ रूपये की राशि दी गई है। इस प्लांट से नगर निगम ग्वालियर को लगभग राशि रूपये 7 करोड़ की आय प्राप्त होना संभावित है।

मुंबई पुलिस गोविंदा के जवाब से संतुष्ट नहीं

मुम्बई। मुंबई पुलिस ने बुधवार को बॉलीवुड एक्टर गोविंदा (60) से अस्पताल में गोलीकांड पर पूछताछ की। गोविंदा 1 अक्टूबर को पैर में गोली लगने से घायल हो गए थे। उन्होंने कहा था कि वे रिवॉल्वर अलमारी में रख रहे थे, तभी गोली चल गई। गोविंदा के पैर का ऑपरेशन कर गोली निकाल दी गई है। वे मुंबई के क्रिटी केयर अस्पताल में भर्ती हैं। जुहू पुलिस ने जब उनसे सवाल किए तो गोविंदा ने गोली के मिसफायर होने की बात दोहराई। एक्टर ने पुलिस को बताया कि रिवॉल्वर 20 साल पुरानी है।

सत्संग व कथा श्रवण से विचारों में पवित्रता आती है: स्वामी अवधेशानंद जी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि- यह संसार नित्य परिवर्तनशील है। शरीर, मन और बुद्धि भी हर पल बदलते हैं। इन अस्थिर एवं नाशवान वस्तु, पदार्थों से अपेक्षा और आसक्ति ही मनुष्य के दुःख का मूल कारण है। स्थायी आनन्द की प्राप्ति के लिए आत्मानुसंधान प्रथम सोपान है। श्रीमद्भगवतगीता में अध्यात्म को स्वभाव की यात्रा कहा गया है। अर्थात् स्वरूप सिद्धि के लिए हमें आध्यात्मिक जीवनशैली का अनुगमन और अनुशीलन करना चाहिए। सत्संग स्वाध्याय और महापुरुषों की दिव्य सन्निधि विवेक के उदय और आत्म-बोध में सहायक है! सत्संग व कथा श्रवण से विचारों में पवित्रता आती है। कथा एक पवित्र विधा का नाम है। यह कर्तव्यों की मीमांसा है। इससे शिष्टाचार, धर्माचार और लोकाचार का ज्ञान होता है। भारत के ऋषि-मुनियों ने शुद्धता की पहचान बताई है। मनरूपी कामनाओं पर विराम नहीं लगेगा तो चित्त भी शान्त नहीं होगा। लोग बिना श्रम के ही साधन मिल जाए, यह चेष्टा रखते है। इसलिए लम्बे समय तक की गयी साधना ही सिद्ध होती है। हमें धार्मिक के साथ-साथ आध्यात्मिक बनना है। जीवन संघर्षो में सहज और सम बने रहने की कला ही अध्यात्म है। जो भाव हम में पवित्रता भरे, शुचिता भरे, उल्लास और आवाहन भरे, ऊर्जा और आनन्द भरे, प्रेम और करुणा भरे वही अध्यात्म है। सुख-दुःख से परे निरन्तर आनन्द, प्रसन्नता और अपने अस्तित्व की स्वीकार्यता यही तो अध्यात्म है। हम जब जन्म लेते हैं तब एक व्यक्ति होते हैं, फिर धीरे-धीरे हम व्यक्तित्व बनने की प्रक्रिया से निर्वाहित होतें हैं। अतः जैसा विचार होगा, जैसा भाव होगा और जैसा अन्न ग्रहण करेंगे, वैसा ही चित्त बनेगा। इसीलिए साधक को इन तीनों पर ध्यान देना होता है। हम में शुभता आये, हमारी ऊर्जा किसी के अनिष्ट में खर्च न हो और हम सकारात्मक ऊर्जा के अखण्ड स्रोत बनें तो हमें अपने चिन्तन में मधुरता लानी होगी। स्वामी जी ने कहा कि जब तक आत्म-ज्ञान नहीं होगा, तब तक मनुष्य इसी प्रकार कष्ट भोगता रहेगा। ईश्वर क्या है? हम क्या हैं, जीवन का लक्ष्य क्या है? आदि बातों का ज्ञान होना ही आत्म-बोध है। आत्म-ज्ञान हो जाने के बाद सांसारिक जीवन का मोह कम होने लगता है और मनुष्य ईश्वरोन्मुख हो जाता है। यही अध्यात्म है।

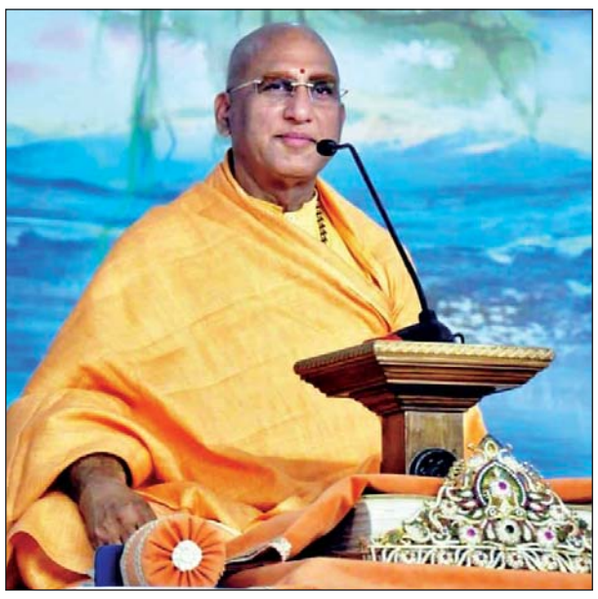

स्वामी अवधेशानंद जी ने कहा कि- आनन्द कहीं और नही हमारे भीतर ही समाया हुआ है। सभी ज्ञान

और सभी शक्तियाँ भीतर हैं। मनुष्य आनन्द और सुख के अनुसन्धान में लगा रहता है। इस आनन्द के स्रोत से एक होने के लिए आवश्यक है कि मनुष्य अपने भीतर जो अमृत-घट विद्यमान है, उस पर पड़े आवरण को हटाए। इसके लिए आवश्यक है कि हमारा व्यवहार अच्छा, मधुर और सुखद हो। व्यवहार और सम्बन्धों के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण एवं सौहार्द परम आवश्यक है। दूसरे की विशेषता देखकर प्रसन्नता व्यक्त करना, प्रोत्साहन देना यह एक उदार दृष्टिकोण है और यही मानवता की ज्योतिर्मय ऊर्जा है। मानवता का दीप बुझ जाता है तो अंधकार का शासन हो जाता है। तब मनुष्य को भले-बुरे, कर्तव्य-अकर्तव्य, पवित्रता-अपवित्रता का ज्ञान नहीं रहता। आज विश्व त्रस्त है, परेशान है क्योंकि वह इसी स्थिति से गुजर रहा है। स्वामी जी ने कहा कि मानव अपनी सोच की आंतरिक प्रवृत्ति को बदलकर अपने जीवन के बाह्य पहलुओं को बदल सकता है। सत्य यह है कि संसार में सुख भी है और दुःख भी। दोनों की अनुभूति एक-दूसरे के अस्तित्व के कारण ही होती है। दिन का महत्व इसलिए है कि रात आती है और रात का महत्व इसलिए है कि रात के बाद दिन आता है। हम आनन्द और सुख चाहते हैं तो हमें ईर्ष्या, कलह, निंदा, परदोष-दर्शन आदि से बचना होगा। ये धार्मिक दृष्टि और मानवीय दृष्टि से भी पाप हैं। मेरे साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया, उसके साथ किया तो मन में अप्रियता या विद्वेष पैदा हुआ, यही समस्या की जड़ है। महापुरुषों ने कहा है कि मानव को छोटी-छोटी बातों में आनन्द खोजना चाहिए। अपने भीतर इतना साहस व परिपक्वता लाओ कि काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि दुर्गुणों के लिए आपके भीतर कोई स्थान ही ना बचे। कष्ट सहिष्णुता का अभ्यास जब महान उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है तो उसे तपस्या कहते हैं। ईश्वर के प्रति सच्ची श्रद्धा व विश्वास से ही जीवन की नैया पार हो सकती है। प्रभु श्रीराम का जीवन चरित्र हमें सद्मार्ग पर चलने व त्याग का सन्देश देता है। अतः उनका आदर्श चरित्र हमें सत्य मार्ग का ज्ञान कराता है ..।

स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने कहा कि - जब मनुष्य अपने शत्रु ढूँढ़ने निकलेगा तो अंत में वह अपने आलस्य व अज्ञानता को ही अपना सबसे बड़ा शत्रु पायेगा। जब हम स्वयं की उपेक्षा बंद कर स्वयं से बात करें, स्वयं के उत्तरदायित्व समझें तो वह हमारी जागृत अवस्था होगी। आलस्य सर्वथा अभाव की स्थिति पैदा करता है और सत्संग और कथाएँ इसी से मुक्ति का मार्ग है। संकुचित दृष्टिकोण अहं की प्रबलता से बनता है। अहं प्रबल होने से दृष्टिकोण सीमित हो जाता है। यदि हम व्यवहार कौशल की शोध करें और सौहार्द भावना के मर्म को समझ लें तो हम सुखी हो सकते हैं। लेकिन समस्या यह है कि हर व्यक्ति अपनी ही सोच को सही मानता है। कहीं कोई अपने आग्रह को ढीला नहीं छोड़ता तथा अन्यों की बात को आदर नहीं देता। यही मेरापन और अहंकार मनुष्य को सुख से वंचित करता है। यही कारण है कि अन्यों के सुझाव, सीख, आज्ञा, प्रेरणा, उपदेश सभी अच्छे होते हुए भी हमारे लिए उनका कोई मूल्य नहीं। न तो अपने अस्तित्व की सीमा को छोटा कर सकते हैं और न ही औरों के कृतज्ञ होकर जी सकते हैं। बड़प्पन की ऐसी मनोवृत्ति अहं को झुकाती नहीं, जबकि सौहार्द भावना हमें झुकना सिखाती है। इसीलिए महापुरुषों ने कहा है कि जीवन में मानव का मुख्य कार्य स्वयं का सृजन करना है, वह बनना जिसकी उसमें संभाव्यता है। मनुष्य को सुखमय जीवन व्यतीत करने के लिए कर्म करने की आवश्यकता पड़ती है। अतः कर्मप्रधान व्यक्ति ही जीवन में वास्तविक सुख का आनन्द प्राप्त कर सकता है।

गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र में रेल सुविधाऐं बढ़ाने हेतु सिंधिया ने रेल मंत्री वैष्णव को लिखा पत्र

-चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पत्र पर श्री सिंधिया ने की कार्यवाही

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

शिवपुरी। गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र में रेल सुविधायें बढ़ाने हेतु शिवपुरी चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज ने केन्द्रीय दूरसंचार मंत्री और स्थानीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र लिखा था। इस पत्र पर कार्यवाही करते हुए श्री सिंधिया ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को उनके संसदीय क्षेत्र में रेल सुविधायें बढ़ाने हेतु कार्यवाही करने की मांग की है तथा उनसे अनुरोध किया है कि वह की गई कार्यवाही से मुझे अवगत कराने का कष्ट करें।

श्री सिंधिया ने रेल मंत्री को लिखे पत्र में गुना-शिवपुरी रेलवे ट्रेक के दोहरी करण की मांग की है। उन्होंने यह भी मांग की है कि ग्वालियर-गुना के बीच में मेमो ट्रेन चलाई जाए तथा ग्वालियर भोपाल वाया गुना-शिवपुरी रात्रि कालीन ट्रेन चलाई जाए। नई दिल्ली से बैंगलोर वाया ग्वालियर-गुना नई ट्रेन का संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा सवाई माधौपुर झांसी रेल मार्ग बनाने की स्वीकृति दिलाई जाए। इसके अलावा उधना बनारस सुपर एक्सप्रेस, दौंड़-ग्वालियर एक्सप्रेस एवं ओखा नाहर एक्सप्रेस को सप्ताह में एक दिन के स्थान पर तीन दिन चलाया जाए। साथ ही ट्रेन क्रमांक 19308 चण्डीगढ़ इंदौर को सप्ताह में चार दिन चलाने की स्वीकृति दिलाऐं। श्री सिंधिया ने यह भी मांग की कि सीनियर सिटीजन को कोरोना पूर्व की भांति रेल टिकिट में डिस्काउण्ट दिलाया जाए। श्री सिंधिया द्वारा रेल मंत्री वैष्णव को लिखे पत्र और उनके द्वारा की गई सार्थक कार्यवाही के लिए चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष दीवान सुरिन्द्र लाल और सचिव विष्णु अग्रवाल ने श्री सिंधिया का आभार व्यक्त किया है।

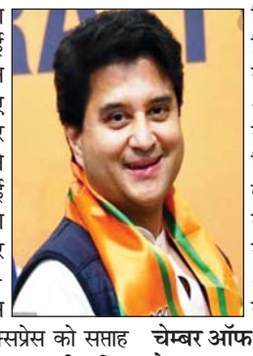

चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने मांगे जनता के सुझाव

चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के सचिव विष्णु अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि अगस्त माह में श्री सिंधिया से की गई बैठक में चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र में रेल सुविधायें बढ़ाने हेतु श्री सिंधिया को ज्ञापन दिया था। इस ज्ञापन पर केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त कर जनभावनाओं से रेल मंत्री अरविन्द वैष्णव को अवगत कराया है। यह श्री सिंधिया की संवेदनशीलता और जन अपेक्षाओं को पूरा करने की उनकी भावनाओं का प्रमाण है। श्री अग्रवाल ने कहा कि क्षेत्र में रेल सुविधायें बढ़ाने हेतु उन्होंने जो मांगे श्री सिंधिया से की है वह उन्हें जनता द्वारा प्राप्त हुई है। उन्होंने जनसामान्य से अपील की कि इसके अलावा इलाके में रेल सुविधाओं के विकास हेतु जो भी अपेक्षाएं उनके मन में हैं उन्हें वह हमें अवगत करायें ताकि हम क्षेत्र के प्रतिनिधि ज्योतिरादित्य सिंधिया के संज्ञान में लाकर उनके निराकरण की पहल कर सकें।

संगठन पर्व सदस्यता अभियान के लिए केंद्रीय मंत्री सिंधिया कल भिण्ड आएंगे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रव्यापी वर्ष 2024 संगठन पर्व सदस्यता अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत 04 अक्टूबर को भिण्ड जिले के सदस्यता अभियान में शामिल होकर सर्व समाज को भाजपा की सदस्यता दिलाएंगे। उनके आगमन को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने निर्धारित स्थानों पर आवश्यक तैयारी को प्रारंभ कर दिया है श्रीमंत सिंधिया के आगमन को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में उमंग और उत्साह की लहर जागृत हुई है और उनके अभूतपूर्व स्वागत के साथ पार्टी के हजारों लोग भाजपा के प्राथमिक सदस्य बनकर पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प लेंगे।

भारतीय जनता पार्टी मीडिया सेंटर से प्रेस विज्ञप्ति में पार्टी जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य सदस्यता अभियान के जिला संयोजक डॉ. रमेश दुबे ने संयुक्त रूप से बताया कि भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया 04 अक्टूबर को ग्वालियर महाराजपुरा एयरपोर्ट से भिण्ड जिले के लिए रवाना होंगे। श्रीमंत सिंधिया जिले के गोहद विधानसभा के नगर परिषद मालनपुर, गोहद चौराहा, अटेर विधानसभा क्षेत्र,विधानसभा क्षेत्र मेहगांव, विधानसभा क्षेत्र भिण्ड के अहिंसा चौक खंड रोड मैं आयोजित भारतीय जनता पार्टी सदस्यता अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया सदस्यता अभियान के जिला संयोजक डॉ. रमेश दुबे ने सहयोग रूप से बताया कि केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया के संगठन पर्व सदस्यता अभियान को लेकर आवश्यक तैयारी प्रारंभ कर दी गई हैं उन्होंने पार्टी के समस्त कार्यकर्ताओं क्षेत्रीय जनता एवं सर्व समाज के लोगों से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में श्रीमंत ज्योतिराज सिंधिया जी के भाव स्वागत की अगवानी एवं पार्टी के प्राथमिक सदस्य बनने के लिए निर्धारित स्थलों पर पहुंचकर उनके नेतृत्व में सदस्य अभियान को ग्रहण करें।

भूतड़ी अमावस्या पर नेमावर में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

- 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया पर्व स्नान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या (भूतड़ी अमावस्या) पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु नेमावर में माँ नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे। मंगलवार शाम से ही लगातार श्रद्धालुओं का नेमावर में आने का सिलसिला शुरू हो गया था। चौदस की रात में पहुंचे श्रद्धालुओं ने नर्मदा के घाटों, मंदिर परिसर और धर्मशालाओं में भजन कीर्तन किए। रात भर ढोलक की थाप, झांझ-मंजीरों के साथ टोलियों में भजन चलता रहा और पडिहार-महिलाएं झूमते रहे। यहां राजस्थान महाराष्ट्र, और गुजरात के अलावा देवास, हरदा, शाजापुर, आगर-मालवा, उज्जैन, इंदौर, सीहोर, खंडवा सहित आसपास के कई जिलों के श्रद्धालु की बड़ी संख्या में पहुंचे हैं। मोक्ष दायिनी नदी मां नर्मदा में डुबकी लगाने से प्रेत आत्माओं को शांति व उनसे मुक्ति मिलती है. इसके लिए नर्मदा तट अच्छा कोई दूसरा स्थान नहीं है, इसी कारण लाखों की संख्या में लोग यहां आकर आस्था की डुबकी लगाते हैं. इस अवसर पर दो दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है. मां नर्मदा के प्रति आस्था रखने वाले देव पडियार लोग बताते हैं कि चेत्री नवरात्री में इसका बड़ा ही महत्व है.।

एडिशनल एसपी आकाश भूरिया, ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर 20 से ज्यादा टीआई, होम गार्ड जवान और बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। अलग-अलग व्यवस्थाओं में करीब 350 पुलिसकर्मी लगाए गए हैं। प्रशासनिक अमला भी अपने अधीनस्थ श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने के लिए कंट्रोल रूम से लगातार सूचनाएं और जानकारी दी जा रही है।

भूतड़ी अमावस्या के स्नान का महत्व

भूतड़ी अमावस्या विशेष रूप से अतृप्त आत्माओं की तृप्ति के लिए होती है। इस दिन श्रद्धालु नदी में स्नान के बाद दान करते हैं। माना जाता है कि पितरों के निमित्त तर्पण करने से भी सुख, शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है। भूतड़ी अमावस्या प्रेत बाधाओं को दूर करने के लिए भी काफी महत्वपूर्ण मानी जाती है।

स्वच्छ भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए सर्व समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए: लाल सिंह आर्य

- भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य एवं विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाहा पार्टी जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर आयोजित किया जा रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत जिला अस्पताल पहुंचकर स्वच्छता अभियान में शामिल होकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उपरोक्त कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. रमेश दुबे शामिल थे। उन्होंने स्वयं अपने हाथों से झाड़ू उठाकर सफाई अभियान में लग गए।भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन की नई दिल्ली, राजपथ पर शुरूआत करते हुए कहा था कि ÷एक स्वच्छ भारत के द्वारा ही देश 2019 में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर अपनी सर्वोत्तम श्रद्धांजलि दे सकते हैं।÷ 2 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन देश भर में व्यापक तौर पर राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में शुरू किया गया था। इस अभियान के अंतर्गत 2 अक्टूबर 2019 तक ÷स्वच्छ भारत÷ की परिकल्पना को साकार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार द्वारा चलाया गया सबसे महत्वपूर्ण स्वच्छता

अभियान है। नरेन्द्र मोदी ने इंडिया गेट पर स्वच्छता के लिए आयोजित एक प्रतिज्ञा समारोह की अगुआई की थी। जिसमें देश भर से आए हुए लगभग 50 लाख सरकारी कर्मचारियों ने भाग लिया।

स्वच्छता, साफ-सफाई तथा खुले में शौच के उन्मूलन को बढ़ावा देकर ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की सामान्य गुणवत्ता में सुधार लाना है।ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के कवरेज को बढ़ावा देकर दिनांक 02 अक्टूबर, 2019 तक स्वच्छ भारत के सपने को साकार करना।जागरूकता लाकर और स्वास्थ्य संबंधी शिक्षा के माध्यम से स्थायी स्वच्छता प्रक्रियाएँ और सुविधाएँ अपनाने के लिए समुदायों को प्रेरित करना।

पारिस्थितिकीय रूप से सुरक्षित और स्थायी स्वच्छता के लिए लागत प्रभावी और उपयुक्त प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना।

ग्रामीण क्षेत्रों में संपूर्ण स्वच्छता लाने के लिए वैज्ञानिक ठोस एवं तरल अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन पर बल देते हुए समुदायिक प्रबंधित स्वच्छता प्रणालियों का आवश्यकतानुसार विकास करना। जेंडर पर महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव डालना और विशेषकर सीमांत समुदायों में स्वच्छता का सुधार करके उन्हें समाज से जोड़ने को बढ़ावा देना।

गौरी सरोवर स्थित अहिंसा पार्क में किया वृक्षारोपण

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ शहर के प्रमुख धार्मिक स्थल गौरी सरोवर के निकट बने अहिंसा पार्क में 10 पेड़ लगाकर लोगों को पर्यावरण के लिए जागृत किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के तहत एक पेड़ मां के नाम के माध्यम से हम सबको पर्यावरण के प्रति और वृक्षारोपण को आगे बढ़ाने के लिए जागृत होना चाहिए और उसमें जलदान दिया।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंगर ने खादी भंडार से खरीदे खादी के वस्त्र

अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने गांधी जयंती पर गांधी मार्केट पर स्थित खादी भंडार पर पहुंचकर खादी के वस्त्र खरीद कर जनता को खदी के लिए जागृत किया। और वही खदी भंडार के संचालक ने खादी की माला पहनकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश खनिज विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष दर्जा कैबिनेट मंत्री प्राप्त कोक सिंह नरवरिया भाजपा जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह भदौरिया जिला उपाध्यक्ष अनिल कटारे, उपेंद्र राजौरिया, जिला उपाध्यक्ष अनिल सिंह कुशवाह, जिला मंत्री श्रीमती रश्मि खटीक जिला मंत्री डॉ. तरुण शर्मा भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष विक्रांत सिंह कुशवाह एडवोकेट, जिला महामंत्री मनोज अनंत युवा मोर्चा के जिला महामंत्री अतिराज सिंह नरवरिया, जिला मंत्री डॉ. तरुण शर्मा जिला मंत्री बजरंग सिंह भदौरिया मंडल अध्यक्ष प्रदीप सिंह भदौरिया टीपू, मंडल अध्यक्ष अमित जैन मंडल अध्यक्ष शेरू पचौरी मंडल अध्यक्ष श्याम सिंह राठौर सीकर खटीक मोनू नरवरिया रोहित शाक्य, सुनील बाल्मिक अनुज बाल्मिक धर्मवीर सिंह बघेल धर्म सिंह भार्गव पूर्व जिला महामंत्री मुकेश जैन सौरभ जैन धर्मेंद्र सिंह गुर्जर जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा, किसान मोर्चा के जिला महामंत्री धर्मेंद्र सिंह राजावत धर्मेंद्र तिवारी आदि कार्यकर्ता काफी संख्या में शामिल थे।

सफाई व्यवस्था मे उत्कृष्ट कार्य करने पर 40 सफाई मित्रो व संस्थाओं का हुआ सम्मान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती पर नगर निगम के द्वारा स्थानिय मल्हार स्मृति आडिटोरियम मे 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक आयोजित सफाई पखवाड़ा के समापन के अवसर पर निगम के 10 सफाई मित्रों तथा सफाई पखवाड़ा में सफाई व्यवस्था निरंतर बनाये रखने हेतु 10 शासकीय व अशासकीय विद्यालयों एवं 20 स्वच्छता चौंम्पियनों का सम्मान भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव खण्डेलवाल, विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, आयुक्त रजनीश कसेरा के द्वारा निगम स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिह बैस, पार्षद प्रतिनिधि संजय दायमा, निलेश वर्मा, मनीष सोलंकी के साथ किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ मे अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती व महात्मा गांधी जी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा 685 करोड़ की परियोजनाओं का भूमिपूजन एवं लोकार्पण का वर्चुअली किया गया। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा देशभर मे चलाये गये स्वच्छता ही सेवा पखवाडा के अन्तर्गत देवास नगर निगम द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों एवं स्वच्छता के अन्तर्गत होटल, रेस्टोरेंट, स्कुल, उद्यागों अस्पतालों के बीच चलाई गई स्वच्छता प्रतियोगिता अन्तर्गत स्वच्छता चौम्पियनों को एवं स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडरों का सम्मान किया गया। अतिथियों श्री खण्डेलवाल, श्री अग्रवाल व श्री कसेरा द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रेरणा एवं प्रधानमंत्री जी की आकांक्षा जिसमे पूरे देश का हर शहर हर गांव स्वच्छ एवं सुन्दर हो पर अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री खण्डेलवाल ने अपने उद्बोधन मे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश जो देशवासियों को दिया है उस आंदोलन को हम सबको मिलकर इसे आगे बढ़ाना है। जिसमे शहरवासियों को टोका टोकी के माध्यम से हम अपने आस पास गंदगी करने वाले रहवासियों को स्वच्छता के प्रति जागृत कर अपनी महती भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम में विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा गत 10 वर्षो से सतत रूप से स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छता की अलख पूरे देश मे जगाई है। किसी भी शहर की स्वच्छता व सुन्दरता मे शहरवासियों के बिना हम अच्छा काम नही कर सकते हैं। हम सब स्वच्छता के प्रति अपना कर्तव्य निभाने हेतु अपने आस पास के रहवासियों को स्वच्छता को बनाये रखने हेतु जागरूक कर अपना अहम योगदान देकर इस अभियान को सफल बनायें।

आयुक्त ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि स्वच्छता एक अभियान बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा स्वच्छता अभियान चलाये जाने से स्वच्छता के कार्यो एवं सफाई मित्रों को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। आयुक्त ने स्वच्छता से जुडे निगम के सफाई मित्रों व सफाई मे लगे संसाधनों की जानकारी से अवगत कराया। इसी कार्यक्रम के दौरान नितीक्षा स्वंय सहायता समूह को माताजी टेकरी पर स्थित सार्वजनिक शौचालय की साफ सफाई एवं रखरखाव करने का दायित्व भी सौंपा गया। स्वच्छता चेम्पियनों मे राधश्याम सोलंकी, महेश सोनी, विजेन्द्र उपाध्याय, अरविन्द्र त्रिवेदी, मिर्जा मुशाहीद बैग, सैयद मकसूद अली, हेमन्त वर्मा, के.के. मिश्रा, कमल सिह तंवर, आशीष गुप्ता, शकील कादरी, उदधव डांगी, जावेद पठान का सम्मान भी किया गया तथा सभी उपस्थितजनों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

किसने बनाए हैं 'जूठन' और 'उतरन' जैसे शब्द?

- अतुल मलिकराम
(लेखक एवं राजनीतिक रणनीतिकार)

लम्बे समय की सेविंग के बाद पिछले महीने ही अपने लिए इतना महँगा शर्ट खरीदा था, इतनी जल्दी यह मुझे छोटा होने लगा है, एक काम करता हूँ किसी को दे देता हूँ.. आज फिर माँ ने टिफिन में दो रोटी ज्यादा रख दी, यह फिर फेंकने में जाएगी, किसी को दे देता हूँ.. यह जो हमारे द्वारा अपने कपड़ों आदि को किनारा किया जाता है न! वो कपड़े, जो अब हमारे पहनने योग्य नहीं रहे, जब हम किसी जरूरतमंद को देते हैं, तो दुनिया बड़े ही प्यार से इसका नामकरण करके 'उतरन' रख देती है। बचा हुआ खाना, जो गले-गले तक पेट भरने के बाद भी अब खाया नहीं जा रहा, दुनिया उसे 'जूठन' नाम से पुकारती है।

ये नामकरण किए किसने हैं? स्थिति के अनुसार पलटी खाना मेरे मायने में इंसान का काम है, भोजन या फिर कपड़ों का नहीं.. बेशक ये नाम भी तो इंसान ने ही रखे हैं। खाना कभी नहीं कहता कि महाशय! आपका पेट भरके के बाद अब में किसी काम का नहीं रहा, मैं जूठन हूँ। और न ही कपड़ा कहता है कि महोदय! मैं आपके पहनने के काबिल नहीं रहा, अब मैं सिर्फ उतरन कहलाने के ही लायक हूँ।

कल मैं अपने एक मित्र के साथ होटल में लंच के लिए गया था। वहाँ भी मैंने यह शब्द सुना। अपनी मेज पर बैठे-बैठे मैं कुछ ही दूरी पर बैठे लोगों के एक समूह को देख रहा था। वे 6 लोग थे, जो उसी होटल में लंच के लिए आए थे। लेकिन, दिखावे की चादर में उनमें से किसी एक को भी यह बात समझ में नहीं आई कि उन्होंने जो खाना ऑर्डर किया है, वो कम से कम 12 लोगों का पेट भरने के लिए पर्याप्त है। बनी बात है, एक व्यक्ति दो पेट खाना तो खाएगा नहीं, हँसी-ठिठौली करते हुए उन सभी ने भर पेट खाना खाया और लम्बे-चौड़े बिल का पेमेंट करके बड़ी ही आसानी से यह कहते हुए चले गए कि यार! बहुत जूठन बच गई। वो तो इतना खाना छोड़कर वहाँ से चले गए, लेकिन मैं वहीं बैठा का बैठा रह गया। दुनिया इस बचे हुए भोजन का नाम बदलकर इसे जूठन कहती है, सो मैं भी फिलहाल इसी शब्द का प्रयोग कर रहा हूँ.. वो सभी आधे से अधिक जूठन छोड़कर चले गए। उनके द्वारा किए गए ऑर्डर में से कई व्यंजन ऐसे थे, जिन्हें उन्होंने चखा तक नहीं था। मैं कुछ समझ या बोल पाता, इससे पहले ही क्या देखता हूँ कि वेटर उस टेबल के पास आया और बिना कुछ सोचे-समझे उसने सारा का सारा खाना कूड़े में फेंक दिया। सच कहूँ, मेरे साथ-साथ मेरा दिल भी वहीं बैठ गया। यह सरासर फिजूलखर्ची थी, न सिर्फ भोजन की, बल्कि पैसों की भी, जो दिल को कचोटकर रख देने वाली थी। सच-मुच इतने सारे भोजन की बर्बादी मेरे सीने में गहरी पीड़ा छोड़ गई।

न जाने क्यों भोजन की बर्बादी करने वाले इन लोगों को उन मजबूर इंसानों और अन्य जीवों का ख्याल नहीं आता, जिन्हें भोजन नसीब नहीं होता? न जाने क्यों उन्हें यह दिखाई नहीं देता कि वो लोग किस तरह हर दिन तिल-तिल मरते हैं, हर दिन जीने के लिए? न जाने क्यों इन लोगों को ट्रैफिक सिग्नल और सड़क के किनारे बैठे मासूम बच्चे नहीं दिखते, जिनकी एक-एक हड्डी उनके शरीर में से झाँककर भोजन की गुहार लगाती फिरती है? न जाने क्यों जो पीड़ा मेरे मन को भीतर तक झंझोड़कर रख देती है, वह भोजन को कूड़े में झोंकने वाले लोगों के मन में नहीं उठती?

हमारे उतरे हुए कपड़े और बचा हुआ खाना ही क्यों किसी को देना है हमें? क्या हम सिर्फ चीजों और भोजन को बर्बाद करने के लिए ही सक्षम हुए हैं? इसे यदि सक्षम कहा जाता है, तो फिर मुझे तो इन शब्दों की डिक्शनरी पर ही शंका है। सक्षम हमें तब कहा जाएगा, जब हमें जितनी जरुरत हो हम उतना ही खरीदें, उतना न खरीदें कि इसे बर्बाद करने की नौबत का हमें सामना करना पड़े। इन पैसों से हम जरूरतमंदों के लिए उपयुक्त सामान खरीदें, उन्हें भर पेट भोजन कराएँ, उतरन या जूझन से नहीं..

कभी सोचकर देखिएगा कि कैसा लगता होगा उन्हें, जब अपना पेट भरने के लिए वे आपका जूठा खाना खाने से पहले कुछ सोचते भी नहीं हैं.. आप खा सकते हैं ऐसे किसी भी राह चलते व्यक्ति का जूठा खाना? अपने परिवार के लोगों और दोस्तों तक के साथ या उनका जूठा खाना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन वह व्यक्ति, जिसे आप जानते तक नहीं हैं, और न ही यह जानते हैं कि वह आपके लिए खाना लाया कहाँ से है, किस उद्देश्य से आपको दे रहा है, ऐसे हजारों सवाल आपके दिमाग में दौड़ने लगेंगे, यदि गलती से भी आपने इस स्थिति का सामना करने के बारे में सोच भी लिया तो.. फिर सोचिए, वे हर दिन इस स्थिति का सामना करते हैं, बिना आपसे यह सवाल किए कि आप यह खाना लाए कहाँ से हैं? एक बात बताइए, कभी कोई गरीब आपसे किसी दिन पूछ बैठे कि भाई साहब! आप जो खाना मुझे दे रहे हैं, मैं खा तो लूँगा, लेकिन यह बताइए कि ये जूठा तो नहीं है न? महसूस करके देखना, यदि ऐसा कभी हुआ तो.. भीतर तक रूह काँप जाएगी.. लेकिन, अफसोस वे लोग आपसे ऐसा कोई सवाल नहीं पूछते, जिससे आपके मन को ठेस पहुँचे, क्योंकि वे लोग अच्छे से जानते हैं कि मन को ठेस पहुँचने पर कैसा महसूस होता है। वे जानते हैं कि वे मजबूर हैं, आप नहीं देंगे, तो शायद उसके बाद उन्हें भोजन मिलेगा भी या नहीं, वे यह भी नहीं जानते। वे सिर्फ इतना जानते हैं कि पेट भरने के लिए भोजन की जरुरत होती है। और जो भी माध्यम पेट भरने का उन्हें मिल जाए, उनके लिए वह सिर्फ और सिर्फ भोजन है। वे आपकी भाषा नहीं समझते, उनके लिए यह भोजन और कपड़े ही होते हैं, जूठन या उतरन नहीं.. ये शब्द अमीरों के चोचले मात्र से कुछ भी अधिक नहीं है, गरीबों की डिक्शनरी में ये शब्द नहीं होते हैं। उनकी डिक्शनरी में कोई शब्द होते हैं, तो बस जरुरत, मजबूरी, दया और दुआ.. शायद इसलिए कि वे चीजों की कदर करना जानते हैं...

कहने का मतलब यही है कि अधिक मात्रा में लेकर उसे बर्बाद करने से अच्छा है, जरुरत के अनुसार ही वस्तुएँ और भोजन लिया जाए। यह न सिर्फ भोजन और वस्तुओं, बल्कि पैसों की भी बचत होगी। और यही बचत तब सदुपयोग कहलाएगी, जब इन पैसों से आप जरूरतमंद लोगों को उनकी जरुरत की वस्तुएँ, कपड़े और भोजन आदि उपलब्ध कराएँ। यदि उपरोक्त बातों से आपके विचार में थोड़े भी बदलाव आ जाएँ, तो मेरे विचार सफल हो जाएँ।

महात्मा गांधी का दर्शन आज अधिक प्रासंगिक है: डॉ.रन सिंह परमार

रायपुर छत्तीसगढ़ जिल्दा। प्रयोग आश्रम रायपुर तिल्दा में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ. रन सिंह परमार ने कहा कि आज हम सभी यहाँ एकता परिषद की राष्ट्रीय बैठक में महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर एकत्रित हुए हैं। यह दिन हमें उनके महान विचारों और सिद्धांतों को याद करने का अवसर प्रदान करता है। गांधी जी ने सत्य, अहिंसा, न्याय, सर्वधर्म समानत्व, और सामाजिक समावेश के माध्यम से एक न्यायपूर्ण समाज की रचना का सपना देखा था।उसे जमीन पर उतरना आवश्यक है इसलिए गांधी दर्शन आज अधिक प्रासंगिक है।आगे बोलते हुए एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रन सिंह परमार गांधी दर्शन का प्रयोग विभिन्न गांधीवादी आयोजनों में किया है।

गांधी जी का सत्य का सिद्धांत हमें यह सिखाता है कि सत्य की राह पर चलना ही सच्ची विजय है। सत्य की शक्ति इतनी प्रबल होती है कि वह किसी भी अन्याय और अत्याचार को समाप्त कर सकती है। हमें अपने जीवन में सत्य को अपनाना चाहिए और हर परिस्थिति में सत्य का पालन करना चाहिए। अहिंसा गांधी जी का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत था। उन्होंने हमें सिखाया कि हिंसा से कभी भी

स्थायी समाधान नहीं निकल सकता। अहिंसा के माध्यम से ही हम समाज में शांति और सद्भावना स्थापित कर सकते हैं। हमें अपने विचारों, शब्दों और कर्मों में अहिंसा का पालन करना चाहिए। गांधी जी ने न्याय को समाज का आधार माना। उनका मानना था कि जब तक समाज में न्याय नहीं होगा, तब तक सच्ची प्रगति संभव नहीं है। हमें समाज के हर वर्ग को न्याय दिलाने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए, ताकि हर व्यक्ति को समान अवसर और अधिकार मिल सके। सर्वधर्म समानत्व गांधी जी का एक और महत्वपूर्ण सिद्धांत था। उन्होंने सभी धर्मों का सम्मान किया और सभी धर्मों को समान माना। हमें भी सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए और धार्मिक भेदभाव को समाप्त करना चाहिए। इससे समाज में एकता और भाईचारा बढ़ेगा। सामाजिक समावेश गांधी जी के विचारों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। उन्होंने समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की बात कही। हमें समाज के कमजोर और पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए प्रयास करना चाहिए। इससे समाज में समरसता और समानता स्थापित होगी।

आज गांधी जयंती के इस पावन अवसर पर, हम सभी को गांधी जी के इन महान सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। हमें सत्य, अहिंसा, न्याय, सर्वधर्म समानत्व, और सामाजिक समावेश के माध्यम से एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज की रचना करनी चाहिए। गांधी वीडियो स्पीच प्रतियोगिता अभियान का उद्देश्य महात्मा गांधी के विचारों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाना है। इस अभियान के माध्यम से, हम गांधी जी के सत्य, अहिंसा, न्याय, प्रेम, और समानता पर आधारित समाज की रचना के लिए लोगों को प्रेरित कर सकते हैं। अभियान के भारत के समन्वयक श्री सुकुमारन जी ने अभियान की पूरी रूप रेखा का विस्तार से विवरण दिया।ज्ञातव्य है कि यह प्रतियोगिता अमेरिका की गांधियन सोसायटी एवं भारत के राष्ट्रीय युवा योजना द्वारा संयुक्त रूप से संचालन किया जाबराहा है।

मैच की सभी व्यवस्थाएँ उत्कृष्ट हों जिससे देश-विदेश में ग्वालियर का नाम हो: सिलावट

- प्रभारी मंत्री ने की अंतर्राष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट मैच की तैयारियों की समीक्षा

ग्वालियर। आपसी समन्वय बनाकर मैच से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को उत्कृष्टता के साथ अंजाम दें। व्यवस्थायें ऐसी हों जिससे दर्शक, खिलाड़ी एवं ऑफिशियल्स ग्वालियर के मैच से अच्छे अनुभव लेकर जाएँ और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ग्वालियर का नाम हो। यह बात जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने ग्वालियर में 6 अक्टूबर को भारत और बांगलादेश के बीच होने जा रहे अंतर्राष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट मैच की तैयारियों की समीक्षा के दौरान कही। उन्होंने बुधवार को श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों तथा एमपीसीए व जीडीसीए के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। उन्होंने बैठक के बाद स्टेडियम के विभिन्न स्टैण्ड व मैदान का भी जायजा लिया। बैठक में में तय किया गया कि पार्किंग सहित दर्शकों के आवागमन व अन्य व्यवस्थाओं की फायनल रिहर्सल 5 अक्टूबर को की जायेगी।

प्रभारी मंत्री सिलावट ने कहा कि ग्वालियर को अंर्तराष्ट्रीय क्रिकेट मैच की मेजबानी मिलना हम सबके लिये गर्व की बात है। इसलिए सभी जिलेवासी सुव्यवस्थित रूप से मैच संपन्न कराने में सहभागी बनकर एक अच्छे मेजबान होने का परिचय दें। साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि स्टेडियम की क्षमता 29 हजार दर्शकों की है। इसलिए सभी को टिकिट मिलना भी संभव नहीं है। प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने पार्किंग, सुरक्षा, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, जन सुविधाएँ एवं चिकित्सा आदि से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थायें हर हाल में 4 अक्टूबर तक पूर्ण कर लें। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि टिकिटों की कालाबाजारी को सख्ती से रोकें। श्री सिलावट ने खिलाड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने पर भी बल दिया।

बैठक में संभाग आयुक्त मनोज खत्री, पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना, पुलिस उप महानिरीक्षक अमित सांघी कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार

सगर, जिला पंचायत सीईओ विवेक कुमार, नगर निगम आयुक्त अमन वैष्णव, स्मार्ट सिटी की सीईओ श्रीमती नीतू माथुर, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार, कुमार सत्यम व टी एन सिंह, जीडीसीए के अध्यक्ष प्रशांत मेहता, एमपीसीए के अधिकारी रोहित पण्डित, भाजपा जिला अध्यक्ष अभय चौधरी एवं अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

13 पार्किंग बनाई, शुल्क देकर दर्शक अपने वाहन पार्क कर सकेंगे

एमपीसीए व जीडीसीए द्वारा निजी एजेंसी के सहयोग से कुल 13 पार्किंग बनवाई गई हैं। चार पहिया वाहन के लिए 100 रूपए एवं दुपहिया वाहन पार्क करने के लिये 50 रूपए शुल्क रखा गया है। साथ ही कहा कि सभी पार्किंग स्थल पर भी रोशनी, पेयजल, अस्थायी शौचालय व सीसीटीव्ही कैमरे की पुख्ता व्यवस्था करें। जिला प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों की देखरेख में पार्किंग व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कुल 13 पार्किंगों में 7 चार पहिया वाहनों के लिये और 6 पार्किंग दुपहिया वाहनों के लिये रहेंगीं। मोतीझील की ओर और गोल पहाड़िया की तरफ यह पार्किंग बनाई गई हैं।

शाम 4 बजे खुलेंगे स्टेडियम के गेट

बैठक में जानकारी दी गई कि मैच के दिन यानि 6 अक्टूबर को सायंकाल 4 बजे श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम के सभी गेट खोल दिए जायेंगे। जिन दर्शकों ने मैच के लिये टिकिट लिए हैं, उनसे समय से स्टेडियम पहुँचकर स्थान ग्रहण करने का आग्रह किया गया है।

परेशानी से बचने के लिये स्वयं वाहन चलाकर या पूल वाहनों से आएँ

बैठक में स्पष्ट किया गया कि गोल पहाड़िया से आगे तिघरा तिराहे, बहोड़ापुर, पुरानी छावनी चौराहा ऋतुराज होटल एवं मोतीझील से आगे उन्हीं लोगों को स्टेडियम की ओर जाने की अनुमति होगी, जिनके पास टिकिट होंगे। दर्शकों से आग्रह किया गया है कि वे परेशानी से बचने के लिये ड्रायवर की बजाय स्वयं वाहन ड्राइव करके आएँ। यथासंभव पूल वाहन से भी आने की कोशिश करें। वाहन में जिनके पास टिकिट होंगे उन्हें ही स्टेडियम रोड़ पर जाने दिया जायेगा।

चिन्हित स्थलों से बसों की और दूर वाली पार्किंग से टमटम की व्यवस्था

दूरस्थ पार्किंग स्थल से दर्शकों को स्टेडियम तक पहुँचाने के लिये टमटम की व्यवस्था भी की जा रही है। साथ ही शहर में ऐसे स्थान चिन्हित किए जा रहे हैं जहाँ से विशेष बसों के जरिए दर्शकों को पार्किंग स्थल तक पहुँचाया जा सके। बसों की व्यवस्था निरूशुल्क रहेगी।

स्टेडियम से जुड़े मार्गों पर भी रहेगी रोशनी

दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखकर स्टेडियम को जोड़ने वाले मार्गों पर भी स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था कराई जा रही है। मोतीझील वाले मार्ग पर स्ट्रीट लाइट के विद्युतीकरण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। यहाँ पर अतिरिक्त ट्रांसफार्मर भी रखवाए गए हैं। इसी तरह गोल पहाड़िया वाले मार्ग पर भी स्ट्रीट लाइट के लिए अस्थायी विद्युतीकरण का कार्य दो दिन के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। संभाग आयुक्त मनोज खत्री ने निगम आयुक्त को इस व्यवस्था में सहयोग करने के निर्देश दिए हैं।

तीन हॉस्पिटल व 13 चिकित्सा कियोस्क बनेंगे

स्टेडियम परिसर में चिकित्सा सेवाओं की एहतियात बतौर पुख्ता व्यवस्था की गई है। दोनों टीमों के ड्रेसिंग रूम की ओर अलग-अलग अस्थायी हॉस्पिटल स्थापित किए गए हैं। साथ ही एक अतिरिक्त आईसीयू भी स्टेडियम परिसर में बनाया गया है। इसके अलावा विभिन्न स्टेण्ड में प्राथमिक चिकित्सा के लिये 13 चिकित्सा कियोस्क भी बनाए जायेंगे। एमपीसीए द्वारा खिलाड़ियों के इलाज के लिये अपोलो हॉस्पिटल में व्यवस्था कराई गई है। इसके अलावा जेएएच एवं जिला चिकित्सालय को भी अलर्ट किया गया है।

चार घंटे के मैच के लिये 5 दिन तक रहेगा शहर अस्त-व्यस्त

ग्वालियर। ग्वालियर में 14 साल के बाद हो रहे अंर्तराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को लेकर प्रशासन एलर्ट मोड पर है। हिंदू संगठनों के बांग्लादेश टीम के विरोध की चेतावनी के बाद पूरे शहर की किलेबंदी कर दी गई है। जिन होटलों में टीमें ठहरी है वहां के आसपास के क्षेत्र को पुलिस ने अपने पहरे में ले लिया है। होटल के पास फटकने वाले हर व्यक्ति को किनारे किया जा रहा है। मजेदार बात यह है कि मैच 6 अक्टूबर को होगा, लेकिन ग्वालियर में अभी से जिस तरह से चाकचौबंदी की गई है उससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुलिस ने जगह-जगह बेरिकेटिंग कर दी है। जिससे लोगों को जाम के साथ तमाम चैकिंग संबंधी परेशानियां उठानी पड़ रही है।

उल्लेखनीय है कि आगामी 6 अक्टूबर को ग्वालियर के नवनिर्मित शंकरपुर स्टेडियम में भारत और बांग्लादेश के बीच टी-20 अंर्तराष्ट्रीय मैच खेला जायेगा। चूंकि ग्वालियर मैच से ही भारत और बांग्लादेश के बीच टी-20 सीरीज का भी आगाज होगा इसलिए दोनों टीमें बुधवार को ही ग्वालियर आ गई है। भारतीय टीम तीन भागों में बुधवार को ग्वालियर पहुंची। वहीं बांग्लादेश टीम कानपुर से ग्वालियर आई। विमानतल से कड़ी सुरक्षा के बीच टीमों को होटल ले जाया गया। रास्तेभर लोग खिलाड़ियों के

दीदार के लिये खड़े रहे। भारत की टीम उषा किरण पैलेस और बांग्लादेश की टीम होटल रेडीसन में ठहरी है। इधर टीमों के ग्वालियर में आने के बाद अब पुलिस प्रशासन की कसावट बढ़ गई है। दोनों होटलों को पुलिस ने अपने पहरे में ले लिया है। वहीं टीमों की प्रेक्टिस के लिये स्टेडियम जाने वाले रूट पर भी पुलिस का कड़ा पहरा लगा दिया गया है।

टीमों के मैच से 4 दिन पहले आने से ग्वालियर पुलिस प्रशासन पर काफी लोड़ आ गया है। वैसे ही आज 3 अक्टूबर से नवरात्रि का महापर्व शुरू होगा। त्यौहारी सीजन में मैच के होने से लोगों को काफी दिक्कतें हो रही है। पुलिस प्रशासन ने पूरे शहर को अपने कब्जे में ले लिया है। जगह-जगह बेरिकेटिंग कर संदिग्ध लोगों पर निगाह रख उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने दोनों होटलों में किलेबंदी कर दी है। परिंदा भी पर नहीं मार सकें इसके लिये पुलिस का पहरा सतर्क है। लेकिन कुल मिलाकर चार घंटे के इस मैच के लिये 5 दिन तक शहर की व्यवस्थायें चरमरा गई है। जगह-जगह बेरिकेटिंग होने से लोगों को काफी परेशानियां हो रही है।

70 दिनों में सर्वाधिक गर्म रहा बुधवार

- बीते सालों का भी रिकार्ड टूटा, पारा पहुंचा 36.6 डिग्री पर

ग्वालियर। अक्टूबर माह के दूसरे दिन बुधवार को दिन के तापमान ने बीते साल का भी रिकार्ड तोड दिया। वहीं 70 दिनों के बाद इस माह में पहली बार दिन का तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इसके साथ ही बुधवार सर्वाधिक गर्म रहा। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो अभी आगामी 4 से 5 दिन तक मौसम शुष्क रहेगा। बारिश की संभावना भी न के बराबर है। उल्लेखनीय है कि तीन दिन से शहर में बारिश नहीं हुई है। रविवार को अधिकतम तापमान 29.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। लेकिन उसके बाद धीरे-धीरे सात अंक बढ़ गया। यानि की तीन दिनों में सात डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी।

स्थानीय मौसम कार्यालय के अनुसार अक्टूबर माह के पहले दिन से ही अधिकतर तापमान सामान्य से अधिक पहुंच गया था। बुधवार को दिन का पारा 36.6 डिग्री सेल्सियस आंका गया। यह सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस अधिक आंका गया। यह बीते 70 दिनों में सर्वाधिक है। सितम्बर माह में सर्वाधिक गर्म दिन 24 सितम्बर रहा। दिन का तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। इससे पहले अगस्त माह में ग्वालियर का सर्वाधिक गर्म दिन 30 अगस्त रहा था। जब दिन का पारा 35.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। हालांकि 22 जुलाई को ग्वालियर का सर्वाधिक गर्म दिन दर्ज हुआ था। जब दिन का तापमान 38.1 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। मौसम विभाग ने जुलाई माह का सर्वाधिक गर्म दिन रिकार्ड किया था। इस तरह 22 जुलाई के बाद लगभग 70 दिन बाद 2 अक्टूबर को दिन का तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। बुधवार को न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस अधिक आंका गया। सुबह की आर्दता 71 प्रतिशत तथा शाम की आर्दता 66 फीसदी आंकी गई। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्वालियर में अभी 4 से 5 दिन तक मौसम साफरहेगा। बादल भी काफी ऊपर है जिससे छटे हुए दिख रहे है। फिलहाल चटक धूप का प्रभाव बना रहेगा।

ग्वालियर का अक्टूबर माह मौसम जलवायु लक्षण

ग्वालियर में अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह में सामान्यतः दक्षिण पश्चिम मानसून वापसी करने लगता है। नमी कम हो जाती है और बादल छंटने लगते है। मात्रा कम हो जाती है। माह के अंत तक रातें ठंडी होती जाती है। साथ ही हवाएं सामान्यतः शांत होती है। अमूमन बारिश बहुत कम बूंदाबांदी के रूप में होती है। हालांकि बीते वर्ष 2022 में अक्टूबर माह में कुल 125.2 मिलीमीटर बारिश हो गई थी। जबकि वर्ष 2023 में 0.6 मिलीमीटर बारिश हुई थी। फिलहाल 6 सितम्बर तक बारिश की संभावना नगण्य है।

पति ने लगाई 33 लाख की चपत, पत्नी ने कराया मामला दर्ज

ग्वालियर। पति ने व्यवसाय को मजबूत करने का दबाव बनाकर पत्नी से मायके से साढ़े चवालीस लाख रुपए मंगाए और साढ़े 14 लाख रुपए वापस कर दिए, लेकिन इसके बाद वह उसे नित बहाने बनाकर टहला रहा था और जब पत्नी परेशान हो गई तो मामले की शिकायत पुलिस से की। घटना जनकगंज थाना क्षेत्र के डी अनुपम भवन कदम साहब का बाड़ा की है। पुलिस ने पीडिता की शिकायत पर अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश में पुलिस पार्टी यूपी रवाना की है, जिससे पति को पकड़ा जा सके।

जनकगंज थाना क्षेत्र के डी अनुपम भवन कदम साहब का बाड़ा निवासी रचना सिंह पुत्री नबाब सिंह जादौन ने शिकायत की है कि उसकी शादी यूपी निवासी दुष्यंत सिंह से हुई थी और वर्ष 2019 में उसने व्यवसाय शुरू करने के नाम पर रचना को मानसिक रूप से दबाव बनाय और मायके के रिश्तेदारों से साढ़े 44 लाख रुपए उधार लिए थे। इसके बाद उसने 14 लाख 50 हजार रुपए वापस कर दिए थे। इसके बाद शेष बचे 32 लाख 95 हजार रुपए अभी भी शेष हैं। इसके बाद शेष रुपयों के लिए रचना ने पति पर दबाव बनाया तो वह हर बार एक नया बहाना बनाकर उसे टरका देता है। उसके विश्वास पर वह रूपये वापस करने का इंतजार करती रही।

रुपए वापस नहीं आने पर अब रिश्तेदार उस पर दबाव बना रहे हैं, क्योंकि पति के कहने पर ही उसने रिश्तेदारों से रुपए उधार लिए थे, ताकि पति का व्यवसाय गति पकड़ सके, लेकिन अब पति ने उसे धोखा दे दिया। पीडिता ने काफी समय पहले उसकी शिकायत की थी। इसके बाद से ही पुलिस उसे थाने बुला रही थी, ताकि बातचीत से मामला निपट जाए। कई बार फोन लगाने पर वह जल्द आने का वादा करता रहा और किए गए वादे पर थाने नहीं आया। जिसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर लिया है।

छात्रा लापता, अपहरण का मामला दर्ज

ग्वालियर। घर से स्कूल पढने निकली सत्रह वर्षीय छात्रा लापता हो गई। घटना थाटीपुर थाना क्षेत्र की है। घटना का पता उस समय चला जब स्कूल से आने के काफी समय बाद भी छात्रा वापस घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन पता नहीं चला तो परिजन थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

थाटीपुर थाना क्षेत्र के नदी पार टाल निवासी सत्रह वर्षीय छात्रा शासकीय कन्या विद्यालय में पढ़ती है। बीते रोज छात्रा की मां उसे स्कूल छोड़कर गई थी और उसके बाद वह वापस घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन पता नहीं चला तो परिजन थाने पहुंचे और पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

उपनगर में अग्रसेन जयंती महोत्सव आज प्रभात फेरी से शुरू होगा

ग्वालियर। महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव उपनगर ग्वालियर में अग्रवाल नवयुवक संघ इस बार भी समारोहपूर्वक मनाया जायेगा। अग्रसेन जयंती महोत्सव के कार्यक्रम 3 अक्टूबर को सुबह 6 बजे प्रभात फेरी से शुरू होंगे। 5 अक्टूबर को महाराजा श्री अग्रसेन जयंती चल समारोह भी निकाला जायेगा। समारोह की पूरी तैयारियां कर ली गई है। यह जानकारी बुधवार को अग्रवाल नवयुवक संघ के अध्यक्ष सुदामा अग्रवाल, महामंत्री दीपक अग्रवाल व मीडिया प्रमुख विनय अग्रवा ने दी।

संघ के पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुये बताया कि 3 अक्टूबर को ध्वजा पूजन के उपरांत प्रभात फेरी घासमंडी से शुरू होकर किलागेट, हजीरा, तानसेन नगर, रमटापुरा, लोहामंडी से अग्रसेन भवन, हलवाट खाना पहुंचेगी। इसके उपरांत दोपहर 3 बजे से श्री अग्रसेन भवन हलवाट खाना में महिला कीर्तन होगा। शाम 6 बजे से जय श्रीराम लिखो प्रतियोगिता होगी। 4 अक्टूबर को मिलन गार्डन पर बैडमिंटन प्रतियोगिता, दोपहर 12 बजे महिला क्रिकेट प्रतियोगिता, 5 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन जयंती चल समारोह निकाला जायेगा। चल समारोह कोटेश्वर मंदिर से शुरू होकर घासमंडी, किलागेट, हजीरा होकर वापस किलागेट पहुंचेगा। चल समारोह का स्थान स्थान पर स्वागत होगा। 6 अक्टूबर को हाउजी प्रतियोगिता दोपहर 12 बजे, 1 मिनट प्रतियोगिता दोपहर 1 बजे, 6 अक्टूबर को ड्राइंग व रंगोली प्रतियोगिता होगी। 7 अक्टूबर को रक्तदान शिविर व आयुष्मान शिविर प्रातः 7 बजे से मायाचंद की धर्मशाला में होगा। संघ के अध्यक्ष सुदामा अग्रवाल, महामंत्री दीपक अग्रवाल एवं मीडिया प्रमुख विनय अग्रवाल के अनुसार 8 अक्टूबर को फैंसी ड्रेस, डांस प्रतियोगिता, सिंगिग प्रतियोगिता व नोकझोक प्रतियोगिता मिलन गार्डन पर होंगी और सायं अग्रसेन जयंती समापन समारोह व पुरूस्कार वितरण समारोह होगा।

दोस्तों ने किया छात्रा से दुष्कर्म, वीडियो फोटो खिंचकर किया ब्लैकमेल

ग्वालियर। तीन साल से साथ पढ़ रहा दोस्त छात्रा से मिलने उसके घर आया और छात्रा को अकेला देखकर उसके साथ रेप की वारदात को अंजाम दिया। वारदात के दौरान आरोपी ने छात्रा के फोटो और वीडियो बना लिए और उसे ब्लैकमेल करने लगा। इसके बाद छात्र छात्रा को जबरन अपने साथ ले गया और अपने दोस्त के हवाले कर दिया। दोस्त ने भी उसका शोषण किया और ब्लैकमेल करने लगा। अब जब छात्रा युवकों के शोषण से परेशान हो गई तो थाने पहुंची और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुरार थाना क्षेत्र के खुरैरी बड़ागांव निवासी 21 वर्षीय छात्रा ने शिकायत की है कि उसकी दोस्ती तीन साल से गजेन्द्र उर्फगंजेश गोयल से है और वह नौवीं कक्षा से उसके साथ पढ़ता है। साथ पढने के कारण वह दोस्त है और उनका एक -दूसरे के घर पर आना जाना है। 30 अगस्त 2023 को छात्रा घर पर थी और उसके परिजन पास ही खेत पर बन रहे गार्डन के काम को देखने के लिए गए थे। इसी बीच गजेन्द्र उर्फगंजेश उससे मिलने के लिए उसके घर आया और उसे अकेला देखकर वह उसका मुंह दबाकर अंदर कमरे में ले गया और उसके साथ गलत काम किया। वारदात के दौरान उसने उसके वीडियो व फोटो बना लिए थे और बदनाम करने की धमकी दी थी। बदनामी के डर से वह चुप रही तो आरोपी उसे बदनाम करने की धमकी देकर शोषण करने लगा और जुलाई 2024 में गंजेश ने उसे कॉल कर बुलाया और जब उसने इनकार किया तो वीडियो वायरल करने की धमकी दी। धमकी से डर कर वह उससे मिलने पहुंची तो वह धमका कर उसे भिण्ड ले गया।

भिण्ड पहुंचने से पहले ही गंजेश का दोस्त अमन गोयल मिला और उसने उसके साथ जाने को बोला और वह बाद में उनके पास आया। डर के कारण वह अमन के साथ चली गई तो अमन उसे इटावा और फिर दिल्ली ले गया, जहां पर किराए के कमरे में उसे रखा और पंद्रह दिन तक अमन उसका शोषण करता रहा। यहां पर पुलिस पहुंची तो अमन वहां से भाग गया और पुलिस उसे लेकर ग्वालियर आई। यहां पर उसने पहले डर के कारण कुछ नहीं बताया, लेकिन अब फिर आरोपी उसे ब्लैकमेल कर रहे थे तो वह परेशान होकर थाने पहुंची और मामले की शिकायत की।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी कल आएंगे

ग्वालियर। मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी कल 4 अक्टूबर को ग्वालियर आएंगे। श्री पटवारी नई दिल्ली से शताब्दी एक्सप्रेस से चलकर प्रातः 9:15 बजे ग्वालियर आएंगे, जहां पर कांग्रेसजनों द्वारा स्वागत कर उनकी अगवानी की जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने बताया कि 4 अक्टूबर को ग्वालियर आएंगे। श्री पटवारी प्रातः 9:15 पर नई दिल्ली से शताब्दी एक्सप्रेस से ग्वालियर आगमन पर स्वागत कर अगवानी की जाएगी।

विधायक डॉ. सिकरवार ने किया सी.सी. सड़क निर्माण के लिये भूमिपूजन

ग्वालियर। विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने बुधवार को वार्ड क्रमांक 28 के पुले नगर भोले नाथ बाबा मंदिर के बगल से मेहरा कॉलोनी तक बनने वाली सी.सी. सड़क निर्माण के लिये क्षेत्रीय पार्षद एवं एम.आई.सी सदस्य श्रीमती गायत्री सुधीर मण्डेलिया के साथ भूमिपूजन किया। इस सड़क का निर्माण करीब 11 लाख 43 हजार रूपये से किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय नागरिकों ने विधायक डॉ. सतीश सिकरवार का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास और प्रगति मेरा लक्ष्य है। कांग्रेस पार्टी हमेशा सर्वहारा वर्ग के उत्थान और विकास की बात करती है और सभी महापुरषों का सम्मान करती है। मगर कुछ लोग हैं,जो विकास कार्यों में बाधा डालते हैं और महापुरषों का अपमान करते हैं। ऐसे लोग सत्ता का दुरपयोग कर जनता की भलाई और सामाजिक कार्यों में व्यवधान भी डालते हैं। ऐसे लोगों को समाज और जनता ने सबक सिखाया है और आगे भी सबक सिखाएगी। इस अवसर ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र चौहान, गोपाल चौधरी, सरनाम बरहादिया, ओंकार सरपंच, जगन्नाथ प्रसाद, सुरेश वाजपेई, आबिद नकबी, निहाल सिंह, गौरव शर्मा, पंचम सिंह भदौरिया, राजवीर सिसोदिया, राजू बाथम, देवानंद ऐसवार, असलम खान, विजय खरे एवं क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

टैंकर से कुचलकर दंपति की मौत

ग्वालियर। फूल बेचकर वापस लौट रहे दंपति को तेज रफ्तार टैंकर चालक ने लापरवाही से चलाते हुए टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मौके पर ही दंपति की मौत हो गई। घटना महाराजपुरा थाना क्षेत्र के केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक चार के सामने की है। गोला का मंदिर स्थित नारायण विहार कॉलोनी निवासी 55 वर्षीय रिजवान खान और उसकी पत्नी जनारा की सड़क हादसे में मौत हो गई। बताया जाता है कि दंपति फूलों को बेचने का काम करते है। बीते रोज वह अपने फूलों को लेकर मालनपुर बेचने के लिए निकले थे। फूल बेचने के बाद वह लूना से वापस लौट रहे थे। उनके साथ लूना पर उनकी पत्नी जनारा सवार थी, जबकि दूसरी लूना पर उसका भाई हनीफखान और खलील थे। वह अभी केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक चार के पास पहुंचे थे कि तभी तेज रफ्तार आ रहे कंटेनर क्रमांक एमएच 46 एफ4096 का चालक तेजी व लापरवाही से चलाते हुए आया और लूना में टक्कर मार दी। हादसे का शिकार दंपति सड़क पर गिरे और कंटेनर के छह टायर उनके ऊपर से निकल गए और उनकी कुचलकर मौत हो गई। कंटेनर के टायर से मृतकों के शव क्षतिग्रस्त हो गए और पुलिस को बड़ी मशक्कत के बाद उन्हें समेटना पड़ा।

मायके से पांच लाख नहीं लाने पर गर्भवती को घर से निकाला

ग्वालियर। दहेज में तेइस लाख रुपए देकर शादी करने के बाद भेल कर्मचारी की दहेज की भूख कम नहीं हुई और उसने नवविवाहिता से मायके से पांच लाख की मांग की, जब विवाहिता ने रुपए लाने से इनकार किया तो पति ने गर्भवती पत्नी को मारपीट कर घर से निकाल दिया। घर से निकाले जाने के बाद पीडिता मायके पहुंची और महिला थाने में शिकायत की।

काशीपुर मुरार निवासी 28 वर्षीय सुलेखा पुत्री दशरथ कुमार का विवाह वर्ष 2022 में दीपेन्द्र कुमार निवासी पुरानी छावनी से हुआ था। दीपेन्द्र भेल कंपनी में कार्यरत है और उसके पिता द्वारा दहेज में मांगी गई सारी डिमांड सुलेखा के पिता ने पूरी की। शादी के बाद जब वह ससुराल पहुंची तो कुछ माह तो सब ठीकठाक रहा और इसके बाद पति और ससुराल वाले उसे परेशान करने लगे और दहेज में मायके से पांच लाख रुपए की मांग की। शुरूआत में उसने सोचा कि समय के साथ सब ठीक हो जाएगा। इसी बीच सुलेखा गर्भवती हुई तो उसने सोचा कि उसकी परेशानी अब खत्म हो जाएगी। लेकिन ऐसा हुआ नहीं और सास शांति देवी और ससुर ओमप्रकाश व पति दीपेन्द्र ने उसे गर्भवती हालत में घर से निकाल दिया। घर से निकाले जाने पर पीडिता भोपाल से ग्वालियर आई और महिला थाने में शिकायत की।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं शास्त्री की जयंती पर कांग्रेस ने किया नमन

ग्वालियर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155वीं एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 120वीं जयंती के अवसर पर कांग्रेस ने पड़ाव स्थित शास्त्री जी की प्रतिमा स्थल एवं फूलबाग स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यर्पण कर नमन किया। तत्पश्चात कांग्रेस ने पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के. कामराज की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रतिमा श्रद्धांजली अर्पित की गई।

सभी कांग्रेसजन प्रातः 9 बजे पड़ाव स्थित लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा स्थल पहुंचे, जहां पर पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर माल्यर्पण कर नमन किया। तत्पश्चात सभी कांग्रेसेजन फूलबाग स्थित गांधी उद्यान पहुंचे। जहां पर कांग्रेसजनों ने गांधी जी की प्रतिमा पर नमन किया। इसके बाद कांग्रेसजनों ने कांग्रेस भवन के नीचे स्थापित अ.भा. कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष के. कामराज की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर नमन किया। इस मौके पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, महापौर डॉ. श्रीमती शोभा सिकरवार, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, पूर्व मंत्री बालेंदु शुक्ला, ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष प्रभूदयाल जौहरे, कार्यवाहक अध्यक्ष महाराज सिंह पटेल, वीर सिंह तोमर, चतुर्भुज धनोलिया, संगठन मंत्री सुरेन्द्र यादव, अवधेश कौरव, राजेन्द्र सिंह नाती, जेएच जाफरी सहित अनेक कांग्रेसजन सम्मलित थे।

भाजपा ने किया राष्ट्रपिता को याद

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित वरिष्ठ भाजपाजनों ने बुधवार को फूलबाग स्थित गांधी

पार्क एवं पड़ाव स्थित शास्त्री जी की प्रतिमा पर पहुंचकर दोनों महान पुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट, जिलाध्यक्ष अभय चौधरी, महामंत्रीगण विनय शर्मा, विनोद शर्मा, राजू सेंगर, दीपक शर्मा, हरीश मेवाफ्रोश, पूर्व सभापति लालजी जादौन सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गाँधी जयंती पर नफरत के बाजार में चला मोहब्बतवाला शरबत और फूल

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्मउत्सव कांग्रेस सदभावना ने राहुल गांधी जैसा कहते है मोहब्बत करनेवाले कभी डरते नहीं, डरने वाले कभी मोहब्बत करते नहीं ÷डरो मत- डराओ मत÷ की तर्ज पर मनाया। इसी वजह से मोहब्बतवाला शरबत फूलबाग गेट पर पिलाया जिसमें शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा, महापौर शोभा सिकरवार, सुनील शर्मा, पूर्व मंत्री बालेन्दु शुक्ला,

संगठन मंत्री सुरेन्द्र यादव एवं समस्त वरिष्ठ कांग्रेसजन शामिल हुए। कांग्रेस सदभावना टीम ने गांधी जी 155वें जन्मदिन पर 155 तुलसी के पौधे गुलाब का फूल सभी पार्टी नेतागण एवं समाजसेवियों को दिया और प्रार्थना की ईश्वर अल्लाह तेरे नाम सबको सन्मति दे भगवान, हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई हम सब है आपस में भाई-भाई भजन कार्यक्रम किया। इस मौके पर कांग्रेस सदभावना के अध्यक्ष विष्णुकान्त शर्मा, घनश्याम राजपूत, अशोक झा, रुपेश वर्मा, कृष्ण कुमार, संगीता शर्मा, अंकित वर्मा, मीतू सिंह, अभी आर्य, रविंद्र सिंह जादौन, गौरव लक्ष्यकार, योगेन्द्र कुशवाह, रवि चौहान, शिवप्रसाद शर्मा, रामदयाल तोमर, शुभम सिंह सिकरवार, मोहित अहिरवार, रुपेश शर्मा, कमल खान, डॉ जावेद अहमद, अशोक कश्यप, अनिल खटीक, पंकज पथरोल आदि उपस्थित थे।

उत्तर मध्य रेलवे
आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि बरुआ सागर - निवाडी रेलखंड के मध्य बिल्ट, बासवान एवं पोहा ग्राम मार्ग को जोड़ने वाली सड़क पर स्थित रेलवे समपार संख्या 377 C रेलवे किमी 1152/17-18 को दोहरीकरण कार्य हेतु छह दिन के लिए बंद किया जाना है।

अतः उक्त क्षेत्र के आम नागरिकों, वाहन चालकों को अवगत कराया जाता है कि रेलवे समपार गेट **दिनांक 05.10.2024 प्रातः 08:00 से दिनांक 10.10.2024 सायं 08:00 बजे** तक छह दिन के लिए सड़क यातायात हेतु बंद रहेगा वैकल्पिक तौर पर सड़क यातायात समपार संख्या 378 C, 376 से निकला जा सकता है।

उप मुख्य अभियंता/निर्माण-II
उत्तर मध्य रेलवे, झाँसी

1739/24(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

संपादकीय

नेपाल में बारिश-बिहार में तबाही

सात दशक पहले कोसी नदी परियोजना की हुई थी शुरुआत

विडंबना यह है कि जब भी नेपाल में बारिश और बाढ़ अधिक होती है, तो इसकी मार अनिवार्य रूप से बिहार पर पड़ती है। अगर बांधों के दरवाजे न खोले जाएं, तो बांध के ही टूटने का खतरा बढ़ जाएगा, जिसके बाद की तबाही की कल्पना भी डरा देती है। यह आशंका पहले से थी कि नेपाल में भारी बरसात का बिहार पर भी व्यापक असर पड़ सकता है। अब नेपाल में बांधों से बड़े पैमाने पर पानी छोड़े जाने के बाद बिहार में जैसी तबाही मची है, उससे गहरी चिंता पैदा हो गई है। बिहार के कई जिलों की नदियों में उफान आ गया है और अब बाढ़ का पानी जितने बड़े दायरे में फैल गया है, उसे देखते हुए राज्य में अतीत में आई बाढ़ की त्रासद स्मृतियां ताजा हो गई हैं। गौरतलब है कि नेपाल में इस बार की बरसात का दबाव इतना ज्यादा है कि वहां कोसी बांध के कई दरवाजे खोलने की नौबत आ गई। नतीजतन, बिहार में कई नदियों के तटबंध टूट गए और अब उन्नीस जिलों में बाढ़ का पानी का फैल चुका है, सैकड़ों गांवों में पानी भर गया है और दस लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इससे पहले 2008 में समूचे कोसी क्षेत्र में भयावह बाढ़ आई थी, जिससे हुई व्यापक तबाही को इस बार याद किया जा रहा है, लेकिन बताया जा रहा है कि 1967 के बाद कोसी में और 2003 के बाद गंडक नदी में इतना पानी पहली बार आया है।

विडंबना यह है कि जब भी नेपाल में बारिश और बाढ़ अधिक होती है, तो इसकी मार अनिवार्य रूप से बिहार पर पड़ती है। अगर बांधों के दरवाजे न खोले जाएं, तो बांध के ही टूटने का खतरा बढ़ जाएगा, जिसके बाद की तबाही की कल्पना भी डरा देती है। करीब सात दशक पहले भारत और नेपाल के बीच बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए कोसी नदी परियोजना की शुरुआत की गई, मगर अब भी यह त्रासदी कायम है। बरसात के मौसम में उफन कर जानमाल को व्यापक नुकसान पहुंचाने वाली नदियों को तटबंध बना कर नियंत्रित करने की कोशिश की गई, लेकिन बाढ़ के पानी के दबाव में जब ये तटबंध टूटते हैं, तब कई बार सामने पड़ने वाली समूची बस्तियां बह जाती हैं। सवाल है कि कई दशकों से कायम इस समस्या के समाधान के लिए सरकारों की ओर से कब कोई ऐसी योजना सामने आएगी, जिससे इतने बड़े इलाके में थोड़ी राहत महसूस की जा सके।

पाने की खुशी से ज्यादा होता है खोने का गम

एक के बंद होने पर खुलता है दूसरा दरवाजा

एक साथी पीछे से आकर हमें 'खो' कहता, हम दौड़ कर दूसरे साथी को छूने की कोशिश करते। जिसे हम छू देते, वह 'बाहर' हो जाता। यहां पर खो का आशय अपने स्थान से उठकर 'खो' कहने वाले को अपना स्थान देना। बात खो की हो रही है। इससे बनने वाले शब्दों में खोना और खो जाना भी है। खोना, यानी हमारे पास जो कुछ है, उसमें से कुछ हिस्सा हमसे अलग होना, जिसे अब हम प्राप्त नहीं कर सकते। कई बार अपने प्रयास से यह भले ही हमें प्राप्त हो जाए, पर उसके खोने का दर्द हमें हमेशा सालता रहता है। वास्तव में किसी चीज को पाने के बाद हमें जितनी खुशी मिलती है, उसके मुकाबले अधिक दुख हमें उसके खोने से मिलता है। खोने का दुख बहुत बड़ा होता है। इंसान अपनी जिंदगी में बहुत कुछ खोता है। कभी माता-पिता, भाई-बहन, दोस्त, रिश्तेदार- ये सभी कहीं न कहीं दिल से जुड़े होते हैं।

समय के साथ कुछ के खोने पर हमें अफसोस होता रहता है, पर यह सब आगे चलकर भुला दिए जाते हैं। यह भी सच है कि जब भी हम कुछ खोते हैं, तो दूसरी ओर हम पाते भी हैं। हम क्या पाते हैं, इसका हमें पता नहीं चलता, क्योंकि हम खोने के गम से जुदा नहीं हो पाते। दरअसल, खोने के बाद जो हमें प्राप्त होता है, उसका आनंद कुछ और ही होता है। बचपन में हम सब एक खेल खेलते थे। खेल का नाम था- खो-खो। इस खेल में हम सब एक पंक्ति में विपरीत दिशा में चेहरा करके उकडू बैठ जाते थे। एक साथी पीछे से आकर हमें 'खो' कहता, हम दौड़ कर दूसरे साथी को छूने की कोशिश करते। जिसे हम छू देते, वह 'बाहर' हो जाता। यहां पर खो का आशय अपने स्थान से उठकर 'खो' कहने वाले को अपना स्थान देना। बात खो की हो रही है। इससे बनने वाले शब्दों में खोना और खो जाना भी है। खोना, यानी हमारे पास जो कुछ है, उसमें से कुछ हिस्सा हमसे अलग होना, जिसे अब हम प्राप्त नहीं कर सकते। कई बार अपने प्रयास से यह भले ही हमें प्राप्त हो जाए, पर उसके खोने का दर्द हमें हमेशा सालता रहता है। वास्तव में किसी चीज को पाने के बाद हमें जितनी खुशी मिलती है, उसके मुकाबले अधिक दुख हमें उसके खोने से मिलता है। खोने का दुख बहुत बड़ा होता है। इंसान अपनी जिंदगी में बहुत कुछ खोता है। कभी माता-पिता, भाई-बहन, दोस्त, रिश्तेदार- ये सभी कहीं न कहीं दिल से जुड़े होते हैं। कभी कोई शरीर का कोई अंग ही खो देता है, जैसे हाथ-पांव, आंख। ये भी अपने खोने के साथ इंसान को दुख दे जाते हैं। समय के साथ कुछ के खोने पर हमें अफसोस होता रहता है, पर यह सब आगे चलकर भुला दिए जाते हैं। यह भी सच है कि जब भी हम कुछ खोते हैं, तो दूसरी ओर हम पाते भी हैं। हम क्या पाते हैं, इसका हमें पता नहीं चलता, क्योंकि हम खोने के गम से जुदा नहीं हो पाते। दरअसल, खोने के बाद जो हमें प्राप्त होता है, उसका आनंद कुछ और ही होता है। एक सज्जन दुर्घटना में अपनी एक आंख की रोशनी खो बैठे। एक आंख की रोशनी जाने के बाद वे अवसाद में चले गए। कुछ समय बाद धीरे-धीरे वे सहज होने लगे। अपना दोपहिया वाहन भी चलाने लगे। उन्होंने महसूस किया कि उनका एक कान कुछ अधिक ही संवेदनशील हो गया है। पीछे से आने वाले वाहन की सरसराहट को वे आसानी से महसूस करने लगे। पहले एक तरफ से आने वाले वाहनों से अक्सर उनकी टक्कर हो जाती, पर धीरे-धीरे उन्हें अपने एक कान के अतिसंवेदनशील होने की जानकारी हुई, तो वे अब कुशलता से दोपहिया वाहन चलाने लगे हैं। ये है खोने के बाद पाने का सुख। इसीलिए कहा गया है कि अगर एक रास्ता बंद होता है, तो दूसरे कई दरवाजे खुल भी जाते हैं। हमें पूरे संयम के साथ दूसरे दरवाजों को देखना होगा। कौन-सा दरवाजा हमारे लिए उपयुक्त होगा, यह भी समझना होगा। तभी हम सफलता के द्वार को खोल पाएंगे। खोना से मिलता-जुलता शब्द है 'खो जाना', जो एक मानसिक स्थिति भी है। इंसान जब कुछ सोचते-सोचते गहराई में चला जाता है या कोई मनपसंद काम करते हुए उसमें डूब जाता है, तो यह स्थिति भी 'खो जाना' कहलाती है। मनपसंद काम में डूब जाने का अर्थ ही है, अपने काम में इतना तल्लीन हो जाना कि दिन-दुनिया का ध्यान ही न रहना। इसमें हमारे भीतर का जज्बा हमें बाहरी दुनिया से अलग कर देता है। यही है खो जाने की स्थिति। यह ध्यान की एक मानसिक स्थिति है, जो हर किसी को प्राप्त नहीं होती। इस दौरान जब हमें कोई यह कहता है कि कहां खो गए, तब हमें आभास होता है कि हम किसी और ही दुनिया में पहुंच गए थे।इस तरह खोना एक अच्छी स्थिति है। खोने का आशय यह नहीं लेना चाहिए कि हमसे कुछ आखिरी तौर पर अलग ही हो गया। अगर अलग भी हुआ है, तो हमें कुछ देकर ही जाएगा। क्या देकर जाएगा, यह परिस्थितिजन्य है। परिस्थितियों के अनुसार हमें कुछ ऐसा प्राप्त हो सकता है, जिसके जरिए भी हम अपना जीवन संवार सकते हैं। हेलन केलर का उदाहरण है, जिन्होंने बहुत कुछ खोया, पर उससे भी अधिक पाया। जो कुछ पाया, वह अप्रतिम है। उसके खोने का लाभ हम सबको मिला। सूरदास ने आंखें खोईं, हमें कृष्ण पर उत्कृष्ट साहित्य मिला। अरुणिमा ने अपने पांव खोए, मगर हमें हिमालय पर चढ़ने का जज्बा मिला। अगर यह सब अपने भीतर कुछ अलग या खो जाने पर अवसाद में ठहरे रहते, तो दुनिया को कुछ भी न मिलता। ऐसा अक्सर अपने आसपास भी कभी देखा जा सकता है कि अगर कोई व्यक्ति अपने किसी दुख में डूबा रहता है, तो वह तब तक दुखी ही दिखता है, जब तक कि वह उस भाव से बाहर नहीं निकलता। जैसे ही किसी खोई गई चीज का गम भुला कर वैसा नया बनाने का हौसला काम करना शुरू कर देता है, वह पहले की तरह सक्रिय हो जाता है, उसे नया कुछ हासिल होना शुरू हो जाता है। इसलिए जब कुछ खो जाए, तो उसका गम करने की एक सीमा होनी चाहिए। खोने के बाद हमें जो कुछ भी नया मिल रहा है, उसका उपयोग करना सीखना चाहिए। बैसाखी पर चलने वालों के लिए वह एक सहारा ही नहीं, बल्कि एक हथियार भी है, जीवन को जी पाने का। हमें किसी के खोने का दुख होना चाहिए, लेकिन उस दुख में इतना अधिक नहीं डूब जाना चाहिए कि उसके बाद के जीवन के अवसरों को हम भुला दें। खोने से आगे कुछ नया पाने का रास्ता भी है। इस रास्ते को संभाल कर रखने की जरूरत है।

महंगी पड़ती राजनीतिक क्षुद्रता, आवश्यक सुधारों पर देना होगा अधिक ध्यान

हमारे राजनीतिक दल इन दिनों जनता को जानबूझकर बहकाने और सीधे शब्दों में कहें तो बेवकूफ बनाने वाली जैसी राजनीति करने में लगे हैं उसे देखते हुए इसके आसार नहीं कि विभिन्न क्षेत्रों में जरूरी सुधारों की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। आसार इसलिए कम हैं क्योंकि दोनों ही पक्ष के शीर्ष नेता भी इसी राजनीति का परिचय देने में लगे हुए हैं। राजनीति का काम है लोगों को दिशा देना और उन्हें जागरूक करना, लेकिन पिछले कुछ समय से अपने देश में इसके ठीक उलट हो रहा है। राजनीति लोगों को ऐसे विषयों पर गुमराह करने का जरिया बनी हुई है, जिनका कोई आधार ही नहीं बनता। इन दिनों पक्ष-विपक्ष के नेता देश की जनता को यह समझाने में लगे हुए हैं कि भारत का संविधान खतरे में है और प्रतिपक्षी दल आरक्षण खत्म करने की भी तैयारी में हैं। एक तरह से लोगों को यह यकीन दिलाया जा रहा है कि कौआ उनका कान ले गया है और उन्हें बिना यह देखे-समझे कौए के पीछे दौड़ना चाहिए कि उनका कान सलामत है या नहीं? संविधान और आरक्षण के खतरे में होने का शिगूफा लोकसभा चुनाव के समय छेड़ा गया था। बहुत से लोग इस शिगूफे का शिकार भी हुए। पता नहीं अब उन्हें भान हुआ या नहीं कि उनके सामने भय का भूत खड़ा किया गया था, लेकिन राजनीतिक दलों की लोगों को बहकाने की राजनीति अब भी जारी है। लोकसभा चुनाव के समय संविधान और आरक्षण के लिए खतरा पैदा होने का हौवा कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने खड़ा किया था। इस दुष्प्रचार के चलते राजनीतिक नुकसान उठाने के बाद से भाजपा भी यह कहने में लगी हुई कि संविधान और आरक्षण को असली खतरा कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों से है। विडंबना यह है कि इस झूठे प्रचार पर अंध विरोधी और अंध समर्थक किस्म के कुछ लोग यकीन भी कर रहे हैं, जबकि सच यह है कि न तो संविधान खत्म किया जा सकता है और न ही आरक्षण समाप्त किया जा सकता है। कम से कम वर्तमान परिस्थितियों में तो यह संभव नहीं और किसी की ओर से ऐसी कोई कोशिश करने का मतलब है जानबूझकर राजनीतिक आत्मघात करना। देश का कोई भी दल इतना नादान नहीं हो सकता कि वह संविधान खत्म करने या फिर आरक्षण को समाप्त करने का सोचे और फिर भी यह समझे कि वह राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बना रह सकता है। निःसंदेह संविधान में संशोधन किया जा सकता है और देश, काल एवं परिस्थितियों को देखते हुए किया भी जाना चाहिए। ऐसा किया भी गया है और चूंकि कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही है, इसलिए उसने ही सबसे अधिक संविधान संशोधन किए हैं। आपातकाल के जरिये संविधान को धता बताने का कलंक भी उसके माथे पर है, लेकिन दुष्प्रचार की राजनीति के जरिये वही यह प्रचारित कर रही है कि भाजपा संविधान के लिए खतरा बन गई है। संविधान के किसी प्रविधान की समीक्षा की मांग करने में कोई हर्ज नहीं, लेकिन आज जैसा राजनीतिक माहौल है, उसमें यदि कोई ऐसी मांग करे तो उसके विरोधी तत्काल उसे संविधान विरोधी करार देंगे। इसी तरह यदि किसी ने भूले से भी कह दिया कि आरक्षण की समीक्षा होनी चाहिए, ताकि वह अधिकाधिक पात्र लोगों को मिल सके तो उसे आरक्षण विरोधी करार देने में क्षण भर की भी देर नहीं की जाएगी। आखिर यह क्यों नहीं देखा जाना चाहिए कि आरक्षण का लाभ पात्र लोगों को सही तरह से कैसे मिले? यह देखना दुखद है कि एससी-एसटी आरक्षण के उपवर्गीकरण की उचित मांग का जो भी समर्थन कर रहे हैं, उन्हें संविधान और सामाजिक न्याय विरोधी करार देने में संकोच नहीं किया जा रहा है। आखिर यह कैसा सामाजिक न्याय है कि एससी-एसटी समाज की जिन सबसे अधिक पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ देना सुनिश्चित किया जाना सभी दलों का साझा ध्येय होना चाहिए, उन्हें उससे वंचित करने को ही संविधानसम्मत बताया जा रहा है। वास्तव में यह सामाजिक अन्याय की ही मिसाल है। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति इसीलिए बनी है, क्योंकि आरक्षण पर क्षुद्र राजनीति की जा रही है। जैसे आरक्षण के समक्ष नकली खतरा खड़ा कर दिया गया है, उसी तरह संविधान के समक्ष भी। आज पक्ष-विपक्ष में से यदि कोई संविधान के किसी प्रविधान में संशोधन की न्यायसंगत मांग भी करे तो उसे फौरन ही संविधान का शत्रु करार दिया जाएगा।

इतना ही नहीं, ऐसा करने वाले यह हल्ला मचाते हुए भीमराव आंबेडकर की फोटो के साथ सड़कों पर उतर आएंगे कि बाबा साहेब के बनाए संविधान को खत्म करने की साजिश रची जा रही है। 2014 में जब मोदी सरकार ने सत्ता में आने पर जजों की नियुक्ति की मौजूदा गैर-संवैधानिक व्यवस्था को खत्म कर न्यायिक नियुक्ति आयोग बनाने की पहल की थी तो सभी विपक्षी दलों ने उसका समर्थन किया था। संबंधित संविधान संशोधन विधेयक पर संसद और विधानसभाओं ने खुशी-खुशी मुहर भी लगा दी थी, लेकिन जैसी आशंका थी, सुप्रीम कोर्ट ने उसे असंवैधानिक करार दिया और जजों के द्वारा जजों की नियुक्ति की गैर-लोकतांत्रिक व्यवस्था बनाए रखी। यह किसी भी दृष्टि से संविधानसम्मत नहीं है, लेकिन आज कोई सोच भी नहीं सकता कि जजों की नियुक्ति की कलेजियम व्यवस्था में बदलाव की कोई पहल हो सकती है। यदि इसका कोई निष्कर्ष निकलता है तो यही कि जब पक्ष-विपक्ष के दल क्षुद्रता भरी राजनीति करने लगते हैं, तब आवश्यक सुधार करना और भी कठिन हो जाता है। हमारे राजनीतिक दल इन दिनों जनता को जानबूझकर बहकाने और सीधे शब्दों में कहें तो बेवकूफ बनाने वाली जैसी राजनीति करने में लगे हैं, उसे देखते हुए इसके आसार नहीं कि विभिन्न क्षेत्रों में जरूरी सुधारों की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। आसार इसलिए कम हैं, क्योंकि दोनों ही पक्ष के शीर्ष नेता भी इसी राजनीति का परिचय देने में लगे हुए हैं। इससे भी खराब बात यह है कि मीडिया का एक हिस्सा और विशेषकर यूट्यूब के जरिये पत्रकारिता करने वाले इसमें सहायक बने हुए हैं।

भारत ने पश्चिमी एशियाई देशों को भेजा अमन का पैगाम, इजरायली पीएम से मोदी ने की बात

भारत सदा से आतंकवाद के विरुद्ध रहा है। अमेरिका के विश्व व्यापार केंद्र पर आतंकी हमले के बाद जब दुनिया के अनेक देशों ने आतंकवाद के खिलाफ युद्ध छेड़ने की प्रतिबद्धता जाहिर की थी, तब भारत उनमें अगली कतार में शामिल था। मगर अभी तक दुनिया भर में चले अभियानों का इस दिशा में कोई उल्लेखनीय नतीजा नजर नहीं आया है। मगर भारत जहां भी मौका मिलता है, इस जरूरत को रेखांकित करता रहता है। पाकिस्तान और चीन का नाम लिए बगैर प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय मंचों से कह चुके हैं कि कुछ देश अपनी विदेश नीति में आतंकवाद का समर्थन करते और कुछ देश आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई रोकने का परोक्ष प्रयास करते हैं।

जिस तरह इजराइल हमास, हिजबुल्लाह और हूती विद्रोहियों के खिलाफ हमले कर रहा है, उसमें बहुत सारे बेगुनाह लोग मारे गए हैं और मारे जा रहे हैं। उसमें अंतरराष्ट्रीय युद्ध नियमों की भी अनदेखी हो रही है। अस्पतालों, स्कूलों तक को निशाना बनाया जा रहा है। पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर हमारे प्रधानमंत्री ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि दुनिया में आतंकवाद का किसी भी रूप में समर्थन नहीं किया जा सकता, पर पश्चिम एशिया में शांति को लेकर भारत प्रतिबद्ध है। बंधकों की सुरक्षित रिहाई भी सुनिश्चित होनी चाहिए। भारत सदा से आतंकवाद के विरुद्ध रहा है। अमेरिका के विश्व व्यापार केंद्र पर आतंकी हमले के बाद जब दुनिया के अनेक देशों ने आतंकवाद के खिलाफ युद्ध छेड़ने की प्रतिबद्धता जाहिर की थी, तब भारत उनमें अगली कतार में शामिल था। मगर अभी तक दुनिया भर में चले अभियानों का इस दिशा में कोई उल्लेखनीय नतीजा नजर नहीं आया है। मगर भारत जहां भी मौका मिलता है, इस जरूरत को रेखांकित करता रहता है। पाकिस्तान और चीन का नाम लिए बगैर प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय मंचों से कह चुके हैं कि कुछ देश अपनी विदेश नीति में आतंकवाद का समर्थन करते और कुछ देश आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई रोकने का परोक्ष प्रयास करते हैं। दरअसल, भारत खुद आतंकवाद से पार पाने की कोशिशों में जुटा हुआ है। इजराइल को उसके पड़ोसी फिलिस्तीन, लेबनान और यमन के आतंकी संगठनों से चुनौती मिलती रही है। इन दिनों वह उनसे आरपार की लड़ाई में जुटा हुआ है। मगर जिस तरह इजराइल हमास, हिजबुल्लाह और हूती विद्रोहियों के खिलाफ हमले कर रहा है, उसमें बहुत सारे बेगुनाह लोग मारे गए हैं और मारे जा रहे हैं। उसमें अंतरराष्ट्रीय युद्ध नियमों की भी अनदेखी हो रही है। अस्पतालों, स्कूलों तक को निशाना बनाया जा रहा है। बहुत सारे रिहाइशी इलाके ध्वस्त किए जा चुके हैं। बीमार और लाचार लोगों तक जरूरी सुविधाएं भी नहीं पहुंच पा रहीं। हिजबुल्लाह के कमांड हसन नसरल्लाह को मार गिराने के बाद इजराइल ने अपना रुख यमन के हूती विद्रोहियों की तरफ केंद्रित कर दिया है। वहां भी वैसी ही तबाही की आशंका है, जैसी फिलिस्तीन के गाजा पट्टी और लेबनान के बेरूत में देखने को मिली है। इसमें सारी दुनिया की चिंता मानवाधिकारों के हनन को लेकर पैदा हो गई है। आतंकवादियों पर हमले से शायद ही किसी को एतराज हो, पर जिस तरह बेगुनाह लोग, स्त्रियां, बूढ़े और बच्चे मारे जा रहे हैं,

फिलिस्तीन में बहुत सारे लोग बंधक बनाए गए हैं, वह स्वाभाविक ही परेशान करने वाली बात है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने नेतन्याहू से शांति की अपील की है। कुछ दिनों पहले अमेरिका और ब्रिटेन ने भी कोशिश की थी कि वे इजराइल को इक्कीस दिन के युद्ध विराम पर राजी कर लें, मगर नेतन्याहू ने उनके प्रस्ताव को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि जब तक वह आतंकी संगठनों का सफाया नहीं कर लेगा, तब तक उसका अभियान नहीं रुकेगा। संयुक्त राष्ट्र के मंच से भी नेतन्याहू ने यह बात स्पष्ट कर दी थी। अब उन्होंने ईरान के लोगों को सीधे संबोधित करते हुए कहा कि ईरान का शाह आप लोगों के साथ गद्दारी कर रहा है, वह जो पैसा आतंकवाद को पोसने पर खर्च कर रहा है, अगर वह वहां शिक्षा, स्वास्थ्य और दूसरे विकास कार्यक्रमों पर खर्च हो, तो तरक्की के नए आयाम खुलेंगे। इस तरह इजराइल ने ईरान को भी पहले से चेतावनी दे रखी है। ऐसे में भारत के प्रयासों से कुछ उम्मीद बंधती है, मगर पश्चिम एशिया में शांति बहाली कब और किन स्थितियों में हो पाएगी, फिलहाल दावा करना कठिन है।

बुलडोजर कार्रवाई, सड़कों पर अतिक्रमण पर स्ष्ट की अहम टिप्पणी

विडंबना यह है कि सड़कों के साथ रेलवे ट्रैक और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी अवैध तरीके से धार्मिक स्थलों का निर्माण किया जाता है। यह किसी से छिपा नहीं कि किस तरह सरकारी या निजी भूमि पर कब्जे के लिए धार्मिक स्थलों का अवैध निर्माण किया जाता है। अब तो इसकी चपेट में वन भूमि भी आ रही है। चूंकि आस्था के नाम पर ऐसे अवैध स्थलों को हटाने से बचा जाता है, इसलिए उनका निर्माण बेरोक-टोक जारी है। तथ्य यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट ने बहुत पहले यह आदेश दिया था कि यातायात में बाधक बनने वाले धार्मिक स्थलों को हटाया जाए, लेकिन उस पर अमल अब तक नहीं किया जा सका है।

यह दलील निराधार नहीं लेकिन सच यह है कि अपने देश में बड़ी संख्या में घर और अन्य इमारतें स्थानीय निकायों की ओर से स्वीकृत नक्शे के बिना बनाई जाती हैं। यह भी सच्चाई है कि जिस इलाके में किसी संदिग्ध अपराधी या अभियुक्त का घर अथवा व्यावसायिक भवन अवैध तरीके से बना होता है वहीं अन्य लोगों के भी बने होते हैं लेकिन वे बुलडोजर कार्रवाई से बचे रहते। यह अच्छा है कि सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई पर दिशानिर्देश जारी करने की बात कहते हुए यह भी कहा कि मंदिर हों या दरगाह, उनका निर्माण सड़क पर नहीं किया जा सकता। विडंबना यह है कि सड़कों के साथ रेलवे ट्रैक और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी अवैध तरीके से धार्मिक स्थलों का निर्माण किया जाता है। यह किसी से छिपा नहीं कि किस तरह सरकारी या निजी भूमि पर कब्जे के लिए धार्मिक स्थलों का अवैध निर्माण किया जाता है। अब तो इसकी चपेट में वन भूमि भी आ रही है। चूंकि आस्था के नाम पर ऐसे अवैध स्थलों को हटाने से बचा जाता है, इसलिए उनका निर्माण बेरोक-टोक जारी है। तथ्य यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट ने बहुत पहले यह आदेश दिया था कि यातायात में बाधक बनने वाले धार्मिक स्थलों को हटाया जाए, लेकिन उस पर अमल अब तक नहीं किया जा सका है। उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट यह देखे कि ऐसा क्यों है? अवैध तरीके से अथवा अतिक्रमण कर बनाई गई इमारतों के खिलाफ सख्ती दिखाई ही जानी चाहिए। इसी से अतिक्रमण और अवैध निर्माण की राष्ट्रव्यापी समस्या का समाधान किया जा सकता है। इस समस्या के लिए केवल अवैध निर्माण या अतिक्रमण करने वाले ही दोषी नहीं हैं। इसके लिए सरकारी विभाग भी दोषी हैं, जो नियम विरुद्ध निर्माण होने देते हैं। ऐसी कोई व्यवस्था बननी ही चाहिए, जिससे देश में अवैध निर्माण थमे-वह चाहे धार्मिक स्थलों के रूप में हो या फिर अन्य किसी तरह के निर्माण के रूप में। बीते कुछ समय से बुलडोजर कार्रवाई पर इसलिए सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि कई राज्यों में संगीन अपराधों में लिप्त अभियुक्तों के घरों, दुकानों आदि पर बुलडोजर चलाए गए। इस पर संबंधित सरकारों और उनके पुलिस-प्रशासन की ओर से यह दलील दी जाती है कि इस तरह की कार्रवाई किसी व्यक्ति के अपराध में लिप्त होने के कारण नहीं, बल्कि इसलिए की जाती है कि उसका घर या व्यावसायिक स्थल बिना नक्शे के या अतिक्रमण करके बना पाया गया होता है। यह दलील निराधार नहीं, लेकिन सच यह है कि अपने देश में बड़ी संख्या में घर और अन्य इमारतें स्थानीय निकायों की ओर से स्वीकृत नक्शे के बिना बनाई जाती हैं। यह भी एक सच्चाई है कि जिस इलाके में किसी संदिग्ध अपराधी या अभियुक्त का घर अथवा व्यावसायिक भवन अवैध तरीके से बना होता है, वहीं अन्य लोगों के भी बने होते हैं, लेकिन वे बुलडोजर कार्रवाई से बचे रहते हैं। इसी कारण अनधिकृत निर्माण के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई को न्याय के मूल सिद्धांतों के खिलाफ कहा जाता है। बुलडोजर कार्रवाई के जरिये जब किसी अभियुक्त का घर गिराया जाता है तो उसके स्वजन भी सड़क पर आ जाते हैं। यह भी न्यायसंगत नहीं। आशा है कि सुप्रीम कोर्ट इस पहलू को भी देखेगा और अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण को भी सहन नहीं करेगा।

कड़ी सुरक्षा के बीच टीम इंडिया के खिलाड़ी ग्वालियर पहुंचे

- होटल पहुंचकर किया आराम, आज से करेंगे अभ्यास

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। छह अक्टूबर को भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाले पहले टी- 20 मैच के लिए खिलाडियों का आना बुधवार की सुबह से शुरू हो गया। सबसे पहले बैंगलोर की फ्लाइट से पांच खिलाड़ी ग्वालियर पहुंचे और इसके बाद छह खिलाड़ी दूसरी फ्लाइट से ग्वालियर आए। इस दौरान पुलिस ने एयरपोर्ट से लेकर होटलों के बीच सुरक्षा के लिए पुलिस जवान और अफसर तैनात किए थे। खिलाडियों के आने के दौरान इन मार्गो पर यातायात रोका गया, जिससे जाम के हालात बने रहे। वहीं शाम को बांग्लादेश की टीम ग्वालियर आई और एयरपोर्ट से होटल रेडीसन पहुंची।

भारत और बांग्लादेश के बीच 6 अक्टूबर को होने वाले टी-20 मैच के लिये भारत और बांग्लादेश के खिलाड़ियों का आना बुधवार से शुरू हो गया। बुधवार सुबह आठ बजे भारतीय टीम के मयंक यादव, अभिषेक शर्मा, जितेश शर्मा, रवि विश्नोई और रिहान पराग बैंगलोर की फ्लाइट से ग्वालियर एयरपोर्ट पहुंचे और एयरपोर्ट से कड़ी सुरक्षा में उन्हें होटल ऊषा किरण पैलेस पहुंचाया गया। खिलाडियों की सुरक्षा के लिए पुलिस ने सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए थे और एयरपोर्ट से लेकर होटल तक जगह-जगह पुलिसकर्मी और अफसर तैनात रहे, सुरक्षा की मॉनीटरिंग आईजी अरविन्द सक्सैना, डीआईजी अमित सांघी सहित एसपी राकेश कुमार सगर ने की और जहां पर बल की कमी दिखी उसे तुरंत ही पूरा कराया। इसके बाद दूसरी और तीसरी फ्लाइट से हर्षित राणा, अमरदीप सिंह, भारतीय कप्तान सूर्य कुमार यादव, शिवम दुबे और हार्दिक पांडया आए। इसके बाद शाम को रिंकू सिंह, नितिश कुमार और बांग्लादेश की टीम चार्टर्ड प्लेन से ग्वालियर पहुंची। वहीं आज गुरुवार को भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर के साथ गौरव वरूण और वाशिंगटन सुंदर ग्वालियर पहुंचेंगे। इसके बाद दोनों टीमें अलग-अलग समय पर मैदान में अपना पसीना बहायेंगी।

रास्तों पर रोका ट्रैफिक

खिलाडियों के एयरपोर्ट से निकलते ही जगह-जगह यातायात को रोका गया और इस दौरान गलियों से मुख्य मार्ग पर आने वाले वाहनों को भी बैरिकेड्स लगा कर रोका गया, जिससे शहर में पूरे दिन कई जगह जाम के हालात बने, लेकिन जैसे ही खिलाडियों के वाहन यहां से निकले, बैरिकेड्स हटा दिए गए, जिससे जाम ज्यादा नहीं हो सके।

एक झलक पाने दिखे बेताब

भारतीय खिलाडियों के आने का पता चलते ही फैंस भी उत्साह में थे और अपने चहेते खिलाडियों का दीदार करने के लिए ऊषा किरण पैलेस पहुंचे थे, लेकिन रानी महल के बाद पुलिस ने सभी को रोक दिया और खिलाड़ी सीधे होटल में पहुंच गए और फैंस अपने खिलाडियों का दीदार नहीं कर सके।

स्टेडियम पर बीडीएस ने की जांच

खिलाडियों के प्रैक्टिस करने से पहले बुधवार को बीडीएस व जिला पुलिस के जवान स्टेडियम पहुंचे और यहां पर जांच की। वहीं गुरुवार से यहां पर खिलाड़ी प्रैक्टिस करना शुरू करेंगे, इससे पहले ही स्टेडियम और उसके आसपास सुरक्षा के लिए पुलिस जवान व अफसर तैनात कर दिए गए हैं, जिससे अनाधिकृत व्यक्ति स्टेडियम के पास फटकने ना पाए।

इंडिया टूर से पहले टिम साउदी ने कप्तानी छोड़ी, टॉम लैथम ने कमान संभाली

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउदी ने इंडिया टूर से ठीक पहले कप्तानी छोड़ दी है। उनकी जगह टॉम लैथम को टीम का नया कप्तान बनाया गया है। वे 16 अक्टूबर से भारतीय दौरे पर आ रही कीवी टीम की कप्तानी करेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार रात इसकी जानकारी दी।

35 साल के साउदी ने कहा- मैंने टीम के हित में कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। न्यूजीलैंड की कप्तानी करना मेरे लिए बेहद खास रहा है। मैंने हमेशा अपने करियर में टीम को प्राथमिकता दी है और मेरा मानना है कि यह फैसला टीम के लिए सही है। अब मैं अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करके टीम की बेहतर सेवा कर सकता हूं।

साउदी ने दिसंबर 2022 में केन विलियमसन की जगह ली थी। साउदी ने 14 टेस्ट मैचों में टीम की कमान संभाली, इनमें से 6 में जीत, 6 में हार और 2 मैच ड्रॉ रहे।

श्रीलंका के खिलाफ सीरीज 2-0 से गंवाई

साउदी की कप्तानी में न्यूजीलैंड की टीम पिछले हफ्ते श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट की सीरीज में 2-0 से हार गई थी। श्रीलंकाई टीम ने गॉल में खेले गए पहले मुकाबले में 63 रन से गंवाया, जबकि टीम को दूसरे मुकाबले में पारी और 154 रन की पराजय झेलनी पड़ी थी। इस सीरीज में साउदी ने 49 ओवर गेंदबाजी की और सिर्फ 2 विकेट ही ले सके।

पिछले 8 टेस्ट में 12 विकेट ही ले सके हैं साउदी

टिम साउदी खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। वे पिछले 8 मुकाबलों में सिर्फ 12 विकेट ही ले सके हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में खेले 14 टेस्ट में 38.60 के एवरेज से 35 विकेट लिए हैं।

रहाणे 97 रन पर आउट, पहली पारी में मुंबई ने 9 विकेट पर 536 रन बनाये

लखनऊ। ईरानी कप का मुकाबला रणजी चैंपियन मुंबई और रेस्ट ऑफ इंडिया के बीच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जा रहा है। बुधवार को मुकाबले के दूसरे दिन मुंबई के बैटर सरफराज खान ने डबल सेंचुरी पूरी की। सरफराज पहले दिन 54 रन बनाकर नॉटआउट लौटे थे।

मुंबई ने पहली पारी में 9 विकेट खोकर 536 रन बना लिए हैं। सरफराज 221 और जुनैद खान खाता खोले बगैर क्रीज पर नॉटआउट हे। अजिंक्य रहाणे 97 रन पर आउट हुए। मुंबई ने दूसरे दिन 237/4 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया था।

पहले दिन 68 ओवर ही डाले जा सके

मंगलवार, एक अक्टूबर को खराब रोशनी के कारण जल्दी स्टंप्स कर दिया गया था। मुकाबले के पहले दिन 68 ओवर का मैच हुआ। मुंबई ने 4 विकेट के नुकसान पर 237 पर बनाए हैं। अंजिक्य रहाणे 197 बॉल पर 86 रन और सरफराज 88 बॉल पर 54 रन पर नाबाद रहे थे।

दलीप ट्रॉफी के टॉप स्कोरर हैं रेस्ट ऑफ इंडिया टीम में शामिल

दलीप ट्रॉफी के टॉप 5 स्कोरर रेस्ट ऑफ इंडिया टीम के बल्लेबाज हैं। इनसे पार पाना रणजी चैंपियन मुंबई की टीम के लिए आसान नहीं है। शेष भारत टीम ईरानी ट्रॉफी की डिफेंडिंग चैंपियन भी है। पिछले 10 सीजन में टीम 6 बार चैंपियन बन चुकी है। मुंबई ने आखिरी बार ईरानी ट्रॉफी 1997-98 में जीती थी। टीम 26 साल से ईरानी ट्रॉफी नहीं जीत सकी है।

व्यापार

6 महीने में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की बिक्री 25 प्रतिशत बढ़ी, कुल 8 लाख वाहन बिके

नई दिल्ली। सितंबर में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की बिक्री सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़ी है। कुल ईवी रजिस्ट्रेशन (सभी सेगमेंट मिलाकर) 1.49 लाख रहे। बीते साल सितंबर में 1.19 लाख ईवी रजिस्टर्ड हुई थी। इस साल में में यह आंकड़ा 1.47 लाख रहा था। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में 19 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान कुल 8.37 लाख ईवी रजिस्टर्ड हुए।

बीते साल समान अवधि में 7.02 लाख वाहन रजिस्टर्ड हुए थे। वाहन पोर्टल के मुताबिक, मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल की बिक्री 43,120 यूनिट रही। बीते साल समान अवधि में 42,550 ई-पैसेंजर व्हीकल बिके थे। पहली तिमाही में बिक्री 8.6 प्रतिशत बढ़कर 22,749 यूनिट पहुंच गई थी। दूसरी तिमाही में बिक्री 6 प्रतिशत घटकर 20,141 यूनिट रह गई।

सितंबर में इलेक्ट्रिक टू व्हीलर की बिक्री 88 हजार यूनिट रही। सितंबर 2023 में यह 63 हजार यूनिट और अगस्त 2024 में 87 हजार यूनिट थी। यानी सालाना आधार पर 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

ओला इलेक्ट्रिक की सितंबर में बिक्री 23,965 यूनिट रही, जो अगस्त 24 में 26,928 यूनिट थी। बजाज ने 18,933 यूनिट बेचे, अगस्त में 16,650 बेचे थे।इससे बजाज को टीवीएस मोटर से आगे निकलकर दूसरा स्थान हासिल करने में मदद मिली।

इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर का रजिस्ट्रेशन सितंबर में 54 हजार यूनिट था। सितंबर 2023 में यह 49 हजार यूनिट और अगस्त 2024 में 52 हजार यूनिट था। यानी सालाना आधार पर 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी।

गौतम अडानी की फ्लैगशिप कंपनी ने दो सब्सिडियरी कंपनियों का अडानी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड में किया विलय

नई दिल्ली। अडानी समूह की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने अपनी दो स्टेप-डाउन सब्सिडियरी कंपनियां अडानी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड और मुंद्रा सोलर टेक्नोलॉजी लिमिटेड को समूह के दूसरी सब्सिडियरी कंपनी अडानी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड में विलय करने का फैसला किया है. एक अक्टूबर 2024 से ये विलय अस्तित्व में आ गया है.

स्टॉक एक्सचेंजों के पास रेगुलेटरी फाइलिंग में अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने बताया कि अडानी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड और मुंद्रा सोलर टेक्नोलॉजी लिमिटेड कंपनी की सब्सिडियरी अडानी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड में विलय करने का फैसला किया है. अडानी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड एक रियल एस्टेट कंपनी है जो थर्मल और सोल पावर प्रोजेक्ट्स को डेवलप करने के साथ ईपीसी सर्विसेज प्रदान करती है।

मुंद्रा सोलर टेक्नोलॉजी लिमिटेड बिजली प्रोडेक्शन, कलेक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन से जुड़ी है. अडानी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड समूह की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज की सब्सिडियरी कंपनी है. ये कंपनी ग्रीन हाईड्रोजन, विंड टर्बाइंस, सोलर मॉड्यूल्स और बैटरीज की मैन्युफैक्चरिंग करती है।

अडानी एंटरप्राइजेज क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट के जरिए 1.3 बिलियन डॉलर के करीब जुटा सकती है जिसकी शुरुआत अगले हफ्ते 7 अक्टूबर से होने की उम्मीद है. मई 2024 में अडानी एंटरप्राइजेज के बोर्ड ने शेयर बेचकर 2 बिलियन डॉलर जुटाने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई थी. 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के सामने आने के बाद अडानी एंटरप्राइजेज को 20,000 करोड़ रुपये का एफपीओ को वापस लेना पड़ा था. तब अडानी एंटरप्राइजेज का स्टॉक गिरकर 3 फरवरी 2023 को गिरकर 1017 रुपये तक नीचे जा लुढ़का था. लेकिन उस लेवल से स्टॉक ने शानदार वापसी की है। अडानी एंटरप्राइजेज के स्टॉक में फरवरी 2023 के बाद से अबतक 213 फीसदी का उछाल आया है. अडानी एंटरप्राइजेज का स्टॉक मंगलवार 1 अक्टूबर को 1.60 फीसदी के उछाल के साथ 3186 रुपये पर क्लोज हुआ है और कंपनी का मार्केट कैप 363,215 करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है।

भारत 2028 तक एक ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनेगा, इंटरनेट, 4जी व 5जी से होगा फायदा

नई दिल्ली। सरकार की डिजिटल पहल के साथ, भारत के वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में पिछले कुछ वर्षों में एक बड़ा बदलाव आया है। आस्क कैपिटल की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि गहरी इंटरनेट पहुंच, कुशल और सस्ती 4 जी और 5 जी सेवाओं और डिजिटल क्षेत्र में सरकार की पहल से भारत 2028 तक 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है।

भारत वास्तविक समय के भुगतान का एक वैश्विक उदाहरण बन गया है, जो यूपीआई जैसे घरेलू तकनीकी नवाचारों से लाभान्वित हो रहा है। भारत का डिजिटल परिवर्तन आर्थिक विकास के लिए एक गेम चेंजर साबित होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण के साथ-साथ स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग ने कैशलेस लेनदेन और ऑनलाइन खरीदारी को बढ़ावा दिया है।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद के अनुसार, डिजिटल कौशल पर भारत का स्कोर डिजिटलीकरण के समग्र स्तर पर जापान, यूनाइटेड किंगडम और जर्मनी जैसे विकसित देशों से आगे निकल गया है। प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) जैसी सरकारी पहलों ने देश में सार्वभौमिक पहुंच और वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में मदद की है। मोबाइल और ब्रॉडबैंड की बढ़ती पहुंच वित्तीय समावेशन को और गहरा करेगी और नई डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देगी।

भारत में डिजिटल मनोरंजन, ऑनलाइन शिक्षा, टेली-मेडिसिन, डिजिटल स्वास्थ्य, डिजास्टर रिस्पॉन्स और जीवन रक्षक सेवाएं बेहतर मोबाइल व इंटरनेट सेवाओं का लाभ उठा रही हैं। किफायती डेटा, स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या और ई-कॉमर्स में वृद्धि भारत के डिजिटल परिवर्तन को गति दे रही है। मार्च 2024 तक, भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में लगभग 120 करोड़ दूरसंचार ग्राहक हैं।

मार्च 2023 में इंटरनेट ग्राहकों की कुल संख्या 88.1 करोड़ से बढ़कर मार्च 2024 के अंत तक 95.4 करोड़ हो गई, जिनमें से लगभग आधे ग्रामीण क्षेत्रों से हैं। पिछले एक साल में 7.3 करोड़ से अधिक इंटरनेट ग्राहक और 7.7 करोड़ से अधिक ब्रॉडबैंड ग्राहक जोड़े गए हैं।

इस साल होंगी 48 लाख शादियां, 6 लाख करोड़ रुपये का होगा बिग इंडियन वेडिंग सीजन

नई दिल्ली। अक्टूबर की शुरुआत के साथ ही फेस्टिव सीजन अपने चरम पर पहुंच गया है. फेस्टिव सीजन के खत्म होने के साथ ही देश में वेडिंग सीजन की शुरुआत हो जाएगी. नवंबर-दिसंबर, 2024 के दौरान करीब 48 लाख शादियां इस साल होने वाली हैं. इनमें करीब 6 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे. इस साल के वेडिंग सीजन से भारतीय इकोनॉमी और कारोबारियों को जबरदस्त फायदा हो सकता है. कारोबारियों को उम्मीद है इस बार शादियों में अधिकतर भारतीय सामानों का ही इस्तेमाल किया जाएगा।

12 नवंबर से शुरू हो जाएगा शादियों का सीजन

शादियों का सीजन 12 नवंबर, 2024 से शुरू हो जाएगा. कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (छ्वढ्ढ) की एक रिसर्च के अनुसार, इस साल वेडिंग सीजन में गुड्स एवं सर्विसेज रिटेल सेक्टर में करीब 5.9 लाख करोड़ रुपये का व्यापार हो सकता है. पिछले साल करीब 35 लाख शादियों के चलते कुल व्यापार 4.25 लाख करोड़ रुपये रहा था. साल 2023 में शादियों के मुहूर्त 11 थे जो कि इस साल 18 शुभ हैं. इससे कारोबार भी बढ़ेगा. कैट के अनुसार, सिर्फ दिल्ली में ही इस सीजन में 4.5 लाख शादियों से 1.5 लाख करोड़ रुपये के व्यापार का अनुमान है.

ये हैं इस साल की शुभ विवाह तिथियां

कैट की वेद एवं आध्यात्मिक कमेटी के संयोजक आचार्य दुर्गेश तारे के अनुसार, इस वर्ष शादी का सीजन 12 नवंबर, देव उठनी एकादशी से शुरू होकर 16 दिसंबर तक चलेगा. नवंबर में शुभ तिथियां 12, 13, 17, 18, 22, 23, 25, 26, 28, और 29 हैं, जबकि दिसंबर में 4, 5, 9, 10, 11, 14, 15, और 16 हैं. इसके बाद विवाह कार्यक्रम लगभग एक महीने तक रुक जाएंगे और जनवरी, 2025 के मध्य से मार्च तक फिर शुरू होंगे.

जैन धर्म की पताका फहरा रहे हैं आचार्य श्री वसुनंदी जी महामुनिराज

- 58वें अवतरण दिवस पर विशेष

आश्विन कृष्ण अमावस्या 03 अक्टूबर 1967 को राजस्थान के जिला धौलपुर में कस्बा मनियां के नजदीक ग्राम विरौधा में दिगम्बर जैसवाल जैन (उपरोचियां) समाज के श्रावक श्रेष्ठी ऋषभचंद जी जैन के आंगन में मातुश्री श्रीमती त्रिवेणी देवी जैन की कोख से एक बालक का जन्म हुआ । नामकरण हुआ दिनेश चंद जैन, जो कि आज परम पूज्य अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महाराज के रूप में भारत वर्ष ही नहीं बल्कि विश्व में सत्य, अहिंसा, शाकाहार, भाईचारे का संदेश देते हुए जैन धर्म और जैन सिद्धांतों का प्रचार प्रसार करते हुए जैन ध्वजा को फहरा रहे हैं। बालक दिनेश बचपन से ही धीर, वीर और गंभीर प्रवृत्ति के थे। आपकी प्रारंभिक लौकिक शिक्षा ग्राम विरोधा, मनियां में हुई । आपने धौलपुर राज. से बी.कॉम की परीक्षा उत्तीर्ण की। आप गृह कार्यों के साथ साथ प्रतिदिन जिनेंद्र प्रभु के अभिषेक, पूजन, स्वाध्याय में लीन रहते थे। अल्प आयु (1979) में ही आपके हृदय में वैराग्य का बीज अंकुरित होने लगा था। सन् 1988 के प्रारंभ में दिनेश के गृह नगर मनियां में परम पूज्य निमित्त ज्ञानी समाधिस्थ आचार्य श्री विमल सागर जी महाराज का ससंघ मंगल आगमन हुआ। आचार्य श्री के संघ में एक युवा मुनिराज श्री विरागसागर जी महाराज को देखकर युवा बालक दिनेश काफी प्रभावित हुआ और वैराग्य का बीज पूर्णता के साथ अंकुरित होने लगा। पूज्य युवा मुनिराज का सान्निध्य मिला और युवक दिनेश ने दृढ़ता के साथ वैराग्य पथ पर चलने की ठान ली । कुछ दिन बाद संघ का विहार हो गया, युवा दिनेश मनियां अपने घर पर ही रुक गए, लेकिन घर पर उनका मन कहां लगने बाला था। इसी बीच आचार्य विमल सागर जी का संघ मुरैना पहुंचा और लगभग एक माह रुककर धर्म प्रभावना की। इसी बीच युवक दिनेश मुरैना पहुंचे और युवा मुनिराज विराग सागर जी का सान्निध्य प्राप्त किया।

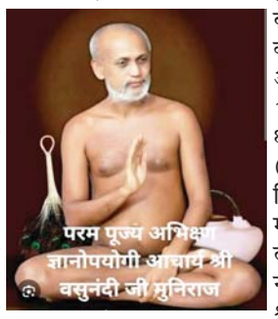

अतिशय क्षेत्र सिहोनियां जी में 18 मई 1988 को श्री 1008 भगवान शांतिनाथ जी के दरबार में युवा दिनेश ने आचार्य श्री विमल सागर जी महाराज को श्रीफल अर्पित कर आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत लेकर ब्रह्मचारी दीक्षा ग्रहण की।

आपने 16 नवम्बर 1988 को अतिशय क्षेत्र बरासों जिला भिंड (म .प्र.) में मुनि श्री विराग सागर जी महाराज से क्षुल्लक दीक्षा ग्रहण की, नामकरण हुआ क्षुल्लक श्री जिनेन्द्र सागरजी महाराज । बुधवार 11अक्तूबर 1989 आश्विन सुदी 11 वि.संवत 2046 को श्री दिगम्बर जैन मंदिर, नसिया जी, भिंड में मुनिश्री श्री विराग सागर जी महाराज से मुनि दीक्षा लेकर अपनी मनुष्य पर्याय को धन्य किया । नामकरण हुआ मुनि श्री निर्णय सागर जी महाराज।

राष्ट्रसंत श्वेत पिच्छाचार्य आचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज ने 17 फरवरी 2002 बसंत पंचमी को विश्वास नगर पंचकल्याणक, दिल्ली में आपको उपाध्याय की उपाधि से अलंकृत किया। आचार्य श्री विद्यानंदजी महामुनिराज ने 01 अप्रैल 2009 को एलाचार्य की उपाधि से विभूषित कर नामकरण किया एलाचार्य श्री वसुनंदी जी मुनिराज। कुंद कुंद भारती दिल्ली में 03 जनवरी 2015 को आचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज ने आपको आचार्य पद देकर उपकृत किया।

पूज्य गुरुदेव अभीक्षण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज ने अभी तक भारत वर्ष के 10 से अधिक राज्यों में पद विहार करते हुए 37 नगरों में वर्षायोग कर धर्म प्रभावना की है। पूज्य श्री ने संयम की साधना करते हुए शताधिक दीक्षायें प्रदान की हैं। आपने अपनी लेखनी से आगमानुसार 300 से अधिक ग्रंथों को तैयार किया है। आपके होनहार, सुयोग्य शिष्यों द्वारा सम्पूर्ण भारतवर्ष में अहिंसा, शाकाहार, जीव दया का प्रचार-प्रसार कर जैन धर्म की प्रभावना की जा रही है। वर्तमान में पूज्य आचार्य श्री ससंघ सुहाग नगरी फिरोजाबाद में चातुर्मासरत हैं। पूज्य श्री के सुयोग्य शिष्य युगल मुनिराज श्री शिवानंद जी महाराज एवम मुनिश्री प्रशमानंद की महाराज संस्कारधानी नगरी मुरैना में चातुर्मारत हैं।

आगामी कार्यक्रमों को लेकर कलार कलचुरी समाज की बैठक सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। कलार कलचुरी समाज ने आज एक साधारण बैठक श्री सहस्त्रबाहु कलचुरी महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष विंग कमांडर विनोद राय के नेतृत्व में कलचुरी भवन में आहुत की गई थी। बैठक का खास उद्देश्य यह था कि आने वाले समय में कलार कलचुरी समाज के आराध्य देव भगवान श्री सहस्त्रबाहु जी की जयंती 08 नवंबर को आने वाली है जिस पर विचार विमर्श किया गया। जयंती पर भोपाल में शोभा यात्रा निकालकर भगवान श्री सहस्त्रबाहु जी की जयंती बड़े स्तर पर मानने पर प्रमुखता से विचार किया गया। नवदुर्गा उत्सव में महासभा द्वारा प्रति वर्ष गरबा का आयोजन किया जाता है जो इस वर्ष

भी 4 अक्टूबर को कलचुरी भवन में रंगारंग गरबा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिस पर प्रमुखता से विचार विमर्श किया गया है। इस अवसर पर महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विंग कमांडर विनोद राय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. एलएन मालविया, अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरी महासभा के राष्ट्रीय महासचिव एड. एमएल राय, सहस्त्रबाहु सेवा समिति के संयोजक राजाराम शिवहरे, राष्ट्रीय संयुक्त सचिव एवं कलचुरी भवन प्रभारी प्रकाश राय, विष्णु जायसवाल, अर्जुन जायसवाल, कलचुरी सेना के अध्यक्ष कौशल राय, संजय चौकसे, अशोक शिवहरे, मरठा कलार समाज के अध्यक्ष राजन सेवईवार, सुधाकर राऊत, महासभा के प्रदेश अध्यक्ष एचपी शिवहरे, कलचुरी भवन संपति प्रबंधक प्रदीप राय, रामकृष्ण चौकसे, विजयश्री शिवहरे साहित अनेक सामाजिक बंधु की उपस्थिति में बैठक सम्पन्न। उक्त जानकारी सुधाकर राऊत कलार समाज भोपाल ने दी।

महात्मा गांधी जी की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। 02 अक्टुबर बुधवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती पर भोपाल चौराहा पर स्थित उनकी प्रतिमा पर विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल के द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव खण्डेलवाल के साथ माल्यार्पण किया गया। इसके पश्चात अतिथीयों के द्वारा माताजी पेढी द्वार के मार्ग पर स्वच्छता ही सेवा

अभियान के अन्तर्गत सफाई अभियान चलाया गया। इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि संजय दायमा, भाजपा नेता मनीष सोलंकी, संतोष पंचोली, देवेन्द्र डोडिया, दुर्गेश चिल्होरिया, जसवंत, सुरेश आदि सहित बडी संख्या मे नागरिकगण उपस्थित रहे।

एंटरटेनमेंट की एक रोमांचक रात के लिए हो जाइए तैयार, क्योंकि 5 अक्टूबर को रात 8 बजे ज़ी सिनेमा पर हो रहा है 'काकुड़ा' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर

मुंबई। हिट फिल्म 'मुंज्या' के निर्देशक ने हॉरर और कॉमेडी की एक और मनोरंजक कहानी पेश की है, जिसका नाम है 'काकुड़ा'। ज़ी सिनेमा पर सोनाक्षी सिन्हा, रितेश देशमुख और साकिब सलीम अभिनीत 'काकुड़ा' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर होने जा रहा है। एक दिलचस्प लोककथा पर आधारित यह फिल्म शनिवार, 05 अक्टूबर को रात 8 बजे प्रसारित की जाएगी। यह हॉरर कॉमेडी अपनी रोमांचक कहानी, जोरदार परफॉर्मेंस और शानदार दृश्यों के साथ दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखने का वादा करती है।

आदित्य सरपोतदार के निर्देशन और रोनी स्क्रूवाला के निर्माण में बनी फिल्म 'काकुड़ा' अपनी तरह की एक बेहद अनोखी कहानी है, जिसमें कॉमेडी, ड्रामा और हॉरर का जबर्दस्त तड़का लगाया गया है। रितेश देशमुख, सोनाक्षी सिन्हा और साकिब सलीम इस कहानी में एक नया जोश जगाते हैं, जिन्होंने अपने-अपने किरदारों को कुछ इस तरह निभाया कि वे दर्शकों के दिलों में गहरे उतर गए। रितेश की बेमिसाल कॉमिक टाइमिंग, सोनाक्षी की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और साकिब का शानदार आकर्षण; ये तिकड़ी जितनी मनोरंजक है, उतनी ही विश्वनीय भी है। इस समय भारत में हॉरर कॉमेडी तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं, खासकर गांव और कस्बों की पृष्ठभूमि वाली फिल्में, जिनमें लोककथाएं और स्थानीय किंवदंतियां शामिल हैं। 'काकुड़ा' हमारी सांस्कृति की इसी नब्ज़ को छूती है, जिसमें डर को रोजमर्रा के हास्य के साथ मिलाया गया है, जो एक हल्का-फुल्का और रोमांचक अनुभव देती है। रतोड़ी के एक विचित्र कस्बे में, एक रहस्यमय भूत पुरुषों को परेशान करता है। अगर गांव के पुरुष हर मंगलवार शाम 7:15 बजे अपने घरों में बनाया गया एक छोटा दरवाजा खुला नहीं छोड़ते हैं, तो वो भूत उन्हें कुबड़ा होने का श्राप देता है और 13 दिन बाद उस पुरुष की मौत हो जाती है। कहानी में सोनाक्षी सिन्हा, रितेश देशमुख और साकिब सलीम को एक ऐसे भूत का सामना करना होगा जो बदले की आग में जल रहा है और अंधविश्वास, परंपरा और प्रेम को लेकर उन तीनों की सोच को चुनौती देता है। क्या वे इस श्राप को खत्म कर पाएंगे और अपनी ज़िंदगी दोबारा जी पाएंगे? या फिर वे हमेशा के लिए एक भयानक मुश्किल में फंस जाएंगे? देखना ना भूलें, 'काकुड़ा' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर, इस शनिवार, 05 अक्टूबर को रात 8 बजे ज़ी सिनेमा पर।

जिला जेल देवास में महात्मा गाँधी की जयंती के अवसर पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। जिला जेल देवास में दिनांक 02 अक्टूबर 2024 को महात्मा गाँधी की जयंती के अवसर पर श्रीमती हिमानी मनवारे, जेल अधीक्षक के निर्देशन व अनिल दुबे, जेल उपअधीक्षक के मार्गदर्शन में समस्त स्टॉफ एवं जेल में परिरूध्द बंदियों द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत

विशेष सफाई अभियान चलाया गया। एवं पितृपक्ष की अंतिम अमावस्या पर बंदियों को पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण करवाया गया। इस अवसर जेल के समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे।

भावों का भव्य आलोक हैं साहित्यकार रजनी-प्रभा

बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर बिहार, विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार से शोधकार्य कर रही रजनी प्रभा सुपुत्री राजकुमार सिंह एवं राधा सिंह, बिहार के एक छोटे से गांव सिरोपट्टी, सीतामढ़ी से आती हैं। रजनी को अल्पायु में ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की सेवा हेतु संस्था के द्वारा पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। संप्रति आप नागरी लिपि परिषद नई दिल्ली की आजीवन सदस्या, विश्व हिंदी साहित्य सेवा संस्थान, प्रयागराज की आजीवन सदस्या, भारतीय कवि संघ की राष्ट्रीय सचिव, अंतरराष्ट्रीय पत्रिका मकस कहनिका की संपादक, राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना की राष्ट्रीय सचिव, रचना दर्शन की संस्थापिका आदि हैं।

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की लगभग 25 सेमिनारों में आप प्रतिभाग कर चुकीं हैं। 'हॉवर्ड विश्व रिकॉर्ड ऑफ लंदन' में अपना 3 बार नाम दर्ज करा चुकी हैं। कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्र/पत्रिकाओं में आपकी रचनाएं छपती आई हैं। साथ ही आपको दर्जनाधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त हो चुकी है। राजभाषा, दूरदर्शन और आकाशवाणी में अपनी प्रस्तुति देने के साथ ही आप कई आयोजनों का सफल संचालन कर चुकीं हैं। आप समसामयिक मुद्दों पर लिखती हैं। विशेषकर युवाओं में राष्ट्र सेवा हेतु जज़्बा और जुनून भरने हेतु इनकी लेखनी धाराप्रवाह रूप से चलती है। ये पंक्तियां इसकी साक्षी हैः-

'हम आज के पथ के प्रेमी है, कल की हमको परवाह नहीं,
अंगारों पर जब चल जायेंगे, क्यों मिलेगी हमको राह नहीं।

नीति आयोग द्वारा मानित राष्ट्रीय संस्था परिवर्तन योगेश के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संरक्षक योगेश तरेहन एवं सीनियर जर्नलिस्ट राष्ट्रीय महासचिव मनोज दुबे जूरी कमेटी की सहमति से यह नोबेल पुरस्कार के लिए अभार जताया।

लेखक सीनियर जर्नलिस्ट एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।
मनोज दुबे

सोनी सब के 'श्रीमद् रामायण' में लव और कुश श्री राम और सीता के बीच की दूरी कैसे मिटा सकेंगे?

मुंबई। सोनी सब का 'श्रीमद रामायण' श्री राम (सुजय रेऊ) और सीता (प्राची बंसल) की महागाथा है। हाल के एपिसोड में दर्शकों ने देखा कि सहस्त्र रावण (प्रणीत भट्ट) ने एक राक्षस को आश्रम में अराजकता पैदा करने के लिए भेजा है, जहां सीता निवास कर रही हैं। जिस समय सीता अपने जुड़वां बेटों को जन्म दे रही थीं, राक्षस ने जंगल और आश्रम में तबाही मचा दी, जिससे सभी खतरे में पड़ गए। अराजकता के बीच, सीता ने बहादुरी से लव और कुश को जन्म दिया, जिससे प्रतिकूलताओं के बीच नई शुरुआत हुई।

आगामी एपिसोड में दर्शक श्रीमद् रामायण के एक नए अध्याय के गवाह बनेंगे क्योंकि कहानी 12 साल की छलांग लेती है। लव और कुश उस उम्र में पहुंच गए हैं, जहां वे अपने आस-पास के बारे में जानने को उत्सुक हैं। आश्रम में पले-बढ़े लव और कुश पराक्रमी श्री राम और उनकी वीरता की कहानियां सुनते रहे हैं। एक महत्वपूर्ण क्षण के तौर पर लव और कुश श्री राम के बारे में सवाल लेकर सीता के पास जाते हैं। इससे एक ऐसे रहस्योद्घाटन की शुरुआत होती है जो उनके जीवन को हमेशा के लिए बदल सकता है।

क्या वे अपने वंश की सच्चाई का पता लगा पाएंगे और वे अपने माता-पिता के बीच की दूरियों को मिटा सकेंगे?

श्रीमद् रामायण में सीता की भूमिका निभा रहीं प्राची बंसल ने कहा,'सीता की यात्रा को चित्रित करना विशेष रूप से लव और कुश के जन्म के दौरान, मेरे लिए बहुत ही भावनात्मक अनुभव रहा है। यह दर्शाता है कि कैसे सबसे कठिन समय में भी सीता की ताकत और साहस शानदार थी। सीता श्री राम की पहचान और उनके रिश्ते को छुपाने की पूरी कोशिश करती है, लेकिन नियति की कुछ और ही योजना है। लव और कुश एक बार फिर सबसे पूजनीय जोड़ी को साथ लाने के करीब पहुंच रहे हैं।'

हर सोमवार से शनिवार शाम 7.30 बजे सोनी सब पर देखें श्रीमद् रामायण

मैं भी गाँधी थीम पर बच्चों ने किया दांडी मार्च का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। केम्पफोर्ट पब्लिक स्कूल, नारायण एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स द्वारा संचालित और प्रबंधित में 'मैं भी गांधी' थीम के अंतर्गत एक अद्वितीय 'दांडी मार्च' का आयोजन किया गया, जिसमें नर्सरी से कक्षा 10 तक के छात्रों ने गर्व से महात्मा गांधी की वेशभूषा में भाग लिया। स्वच्छता, शिक्षा, और अहिंसा जैसे गांधीजी के महत्वपूर्ण संदेशों को प्रदर्शित करने वाली तख्तियों के साथ, छात्रों ने दांडी मार्च के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास

किया। यह कार्यक्रम डीजीएम सलाम सर के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसमें बापू के सिद्धांतों और मूल्यों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर प्रिंसिपल रूना मैडम ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। एजीएम तरुण सर ने गांधीजी के शाश्वत संदेशों को प्रसारित करते हुए छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए गर्वपूर्वक मार्च किया।

101 वर्षीय श्रीमती रामकटोरी टुण्डेलकर का जन्मदिन मनाया गया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। अंतराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर 101 वर्षीय श्रीमती राम कटोरी टुण्डेलकर का उनके पुत्रों ने उनका जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ 01 अक्टूबर को न्यू गांधी कॉलोनी स्थित निवास पर मनाया। इस दौरान सोवरन सिंह-श्रीमती कुशमलता, रामवरन-श्रीमती माया, रामनरेश-श्रीमती अनीता, रामनिवास-श्रीमती अनीता, श्रीप्रकाश-श्रीमती नीलम, मुरारी-श्रीमती मीना, सोनू-श्रीमती रीना पुत्र एवं पुत्रवधू, श्रीमती गुड्डी, श्रीमती अंगूरी, श्रीमती कस्तूरी, श्रीमती सरोज, कुमारी शिम्मी, कु.अन्नू, कु. सौम्या, अतुल, आशीष , राहुल, अरुण, रिषव, गोलू, अभिषेक, राधिका, हर्षित टुण्डेलकर परिवार को श्रीमती राम कटोरी ने आशीर्वाद दिया।

सेवादल ने याद किया बापू व शास्त्री जी को

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। एमएस रोड पर स्थित गांधी मैरिज होम में जिला कांग्रेस सेवादल के नेतृत्व में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई। कांग्रेसियों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर माल्यार्पण किया और महात्मा गांधी अमर रहे का नारा लगाया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष ग्रामीण कांग्रेस मधुराज सिंह तोमर, शहर जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा कार्यकारी जिला अध्यक्ष राजेंद्र यादव, संगठन मंत्री सुभाष सिकरवार, वरिष्ठ कांग्रेस के नेता अशोक सिकरवार, हरिशंकर शर्मा, किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह दनगस, ब्लॉक अध्यक्ष विक्रमराज मुदगल, ब्लॉक अध्यक्ष अब्दुल रज्जाक पटेल, अनुराग परमार, जिला पंचायत सदस्य गजेंद्र सिंधी, राजकुमार पाठक, नरोत्तम मेहर, अमर सिंह मौर्य, राजेश राठौर, प्रमोद शर्मा हुसैनपुर, शैलेंद्र खरे, सुभाष मेहर, रामस्वरूप मेहर, पवन जोशी, सरफुद्दीन खान, वकील जाटव, राकेश परमार, देशराज वर्मा, शिवम वर्मा, प्रमोद श्रीवास, अमन रजक, पप्पू दीक्षित, राहुल कुमार बंसल मौजूद रहे।

कौन बनेगा करोड़पति 16 में, अमिताभ बच्चन ने कहा कि अगर मौका मिलता तो वह स्वेच्छा से सेना में शामिल होते

मुंबई। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर, अमिताभ बच्चन की मेज़बानी में 'कौन बनेगा करोड़पति' अपने 16वें सीज़न में, न केवल हॉटसीट पर बैठने वाले खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द घूमती कुछ दिल छू लेने वाली कहानियों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है, बल्कि मेगास्टार अमिताभ बच्चन की ज़िंदगी के कई अनजाने पहलुओं को भी उजागर कर रहा है। आगामी एपिसोड्स में, दर्शक पंजाब के बुढलाडा की प्रतियोगी नेहा से मिलेंगे, जिन्होंने अपनी मास्टर डिग्री पूरी कर ली है और अब सैनिक बनना चाहती हैं।

अमिताभ बच्चन से चर्चा करते हुए, नेहा ने अपनी फिटनेस रूटीन के बारे में विस्तार से बात की और बताया कि वह भारतीय सेना में सैनिक बनना चाहती हैं। नेहा का कहना है कि देश के हर नागरिक को सेना में भर्ती होने का हक है और उन्होंने अमिताभ से कई उल्लेखनीय बॉलीवुड फिल्मों में सैन्य अधिकारी की भूमिका निभाने के अपने अनुभव के बारे में बताने के लिए कहा। उन्होंने बताया, 'पहली चीज जो मुझे सेना के बारे में बहुत पसंद है, वह है उनकी वर्दी। वह वर्दी पहनने से ही माहौल बदल सकता है; इससे काम करने के तरीके में अनुशासन और गंभीरता की भावना पैदा हो जाती है। मैंने अक्सर कहा है कि हर व्यक्ति को सेना में तीन से चार महीने तक रहकर उनके प्रशिक्षण का अनुभव लेना चाहिए। सेना में, आप सीखते हैं कि धैर्य का असल में क्या मतलब है। यह हमें देश में पैदा होने वाले किसी भी हालात के लिए तैयार करती है, ताकि आवश्यकता होने पर हम लड़ने के लिए तैयार रहें। मेरा मानना है कि अगर कभी अवसर मिले, तो हर किसी को सेना में भर्ती होने पर विचार करना चाहिए।' फिर उन्होंने यह भी कहा कि अगर मौका मिलता तो वह स्वेच्छा से सेना में शामिल होते। अमिताभ बच्चन आगे कहते हैं, 'हमारे पास धोनी और सचिन जैसे दिग्गज एथलीट हैं, जिन्हें सेना में भर्ती होने के लिए आमंत्रित किया गया है। ऐसी भूमिका के योग्य समझा जाना और उसके लिए चुना जाना, उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। पहले भी सुनील दत्त जी, नरगिस दत्त जी जैसे कई कलाकार थे, जिन्होंने सैनिकों के मनोरंजन के लिए शो बनाए थे। यह 60 और 70 के दशक की बात है, जब सैनिकों के पास मनोरंजन के बहुत कम साधन होते थे। वह अपने पूरे क्रू को ले जाकर उन लोगों के लिए परफ़ॉर्म करते थे, जो अपने घर से दूर थे, जिससे उन्हें आराम करने का बहुत ज़रूरी अवसर मिलता था।'

दिग्गज अमिताभ बच्चन को यादगार पलों को साझा करते हुए देखना न भूलें, कौन बनेगा करोड़पति सीज़न 16 में, रात 9 बजे, केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर

आज से प्रारंभ होंगी शारदीय नवरात्रि, तैयारियां पूर्ण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शक्ति की आराधना का पर्व नवदुर्गा महोत्सव आज गुरूवार से शुरू हो रहा है। आगामी नौ दिनों तक अंचल के देवी मंदिरों व शक्तिपीठों पर भक्तजन पूजा-आराधना कर मातारानी के दर्शन कर पुण्यलाभ अर्जित करेंगे।

शारदेय नवरात्र आज 3 अक्टूबर से शुरू हो रहे हैं। मुरैना अंचल में शक्ति की आराधना के प्रमुख केन्द्र प्राचीन महामाया मंदिर, बड़ोखर वाली माता, बसैय्या वाली माता पर नौ दिनों तक श्रद्धालुजन दर्शनों को पहुंचेंगे और पूजा-अर्चना कर मनोकामना सिद्धि का आशीर्वाद लेंगे। इस दौरान इन देवी स्थलों पर नौ दिनों तक मेले का आयोजन भी होता है। इसके अलावा मुरैना शहर में ही आधा सैकड़ा स्थानों पर भक्त मंडलों द्वारा मां की प्रतिमाएं स्थापित कर झांकियां सजाई जा रही हैं, जिसकी सभी तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं।

अंचल में भी सजेंगे मैय्या के दरबार

अंचल के प्राचीन मंदिर बसैया वाली माता, मां भगेश्वरी देवी मंदिर, टेढ़ी माता मंदिर, कुन्तलपुर मंदिर, श्यामपुर वाली माता, बहरारे वाली माता मंदिर, सती माता मंदिर सरसैनी, उदयपुरा स्थित देवी मंदिरों पर शारदीय नवरात्र में नौ दिनों तक मेले लगेंगे।

महामाया मंदिर पर बनेगा नवरात्रि महोत्सव, तैयारियां पूर्ण

मुरैना। शहर के मध्य स्थित प्राचीन श्रीमूर्ति महामाया मंदिर पर क्वार मास के 110वें शारदीय नवदुर्गा परिसर महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर पर सभी मूर्तियों का कलेवर करके एवं साफ एवं साफ-सफाई करके मंदिरों को मूर्त रूप दिया जा चुका है एवं मंदिर परिसर पर आकर्षक लाइटिंग एवं पाण्डाल सभी मंदिर कमेटी के अथक सदस्यों द्वारा अथक परिश्रम करके शारदीय नवरात्रि पर्व को धूमधाम से मनाने और श्रद्धालुजनों को कोई भी असुविधा न हो इसलिये मंदिर कमेटी ने पुलिस प्रशासन, यातायात व्यवस्था नगर निगम प्रशासन को लिखित पत्र भेजकर सूचित कर दिया है। इस आशय की जानकारी देते हुये मंदिर प्रबंध समिति के मीडिया प्रभारी निखिल प्रताप रायकवार ने बताया कि 03 अक्टूबर प्रातः 5 बजे महामाया मंदिर पर आचार्य पं. बनवारी लाल शर्मा द्वारा वैदिक रीति-रिवाज के साथ घट स्थापना कर अखण्ड ज्योति प्रज्वलित की जायेगी। अतः प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुरेश सिंह राजपूत, सभी भक्तजनों से अनुरोध करते हैं जो भी श्रद्धालु मंदिर परिसर पर अखण्ड ज्योति प्रज्वलित करना चाहते हैं वे मंदिर पर पहुँचकर मंदिर कमेटी से रसीद प्राप्त करें एवं मातारानी की नित्य नई-नई झांकियों का दर्शन कर अपने एवं पूरे परिवार को धन्य धान्य बनायें।

जिला चिकित्सालय मुरैना, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़गढ़ एवं कैलारस में प्रसव प्रतीक्षालय का उद्घाटन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुरैना जिले में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय मुरैना, सीएचसी कैलारस एवं सीएचसी पहाड़गढ़ में प्रसव प्रतीक्षालय (बर्थ वेटिंग रूम) की स्थापना की गई है। यह पहल मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर अंकित अस्थाना और सीएमएचओ डॉ. पद्मेश उपाध्याय के मार्गदर्शन में की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गृह प्रसव को कम करना और माताओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना है।

गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मुरैना एवं श्योपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद शिवमंगल सिंह तोमर ने जिला चिकित्सालय मुरैना में बर्थ वेटिंग रूम का उद्घाटन किया। जबकि पहाड़गढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जिला पंचायत सदस्य हरी सिंह कुशवाह एवं सरपंच पहाड़गढ़ शैलेन्द्र सिंह शाक्य और सीएचसी कैलारस पर जिला जिला पंचायत उपाध्यक्ष बनवारी लाल धाकड़ ने प्रसव प्रतीक्षालय का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पद्मेश उपाध्याय और सिविल सर्जन डॉ. जीएस तोमर ने प्रसव प्रतीक्षालय की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह प्रसव प्रतीक्षालय विशेष रूप से दुर्गम क्षेत्रों और उन क्षेत्रों में स्थापित किए गए हैं, जहां गृह प्रसव की दर अधिक है। इसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं, विशेष रूप से जोखिम वाली माताओं, को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर मातृ और शिशु मृत्यु दर को कम करना है।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी (मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य) डॉ. आनन्द बंसल के नेतृत्व में जिला कार्यक्रम प्रबंधक एस.पी. श्रीवास्तव और अंतरा फाउंडेशन के जिला कार्यक्रम लीड डॉ. शैली दत्ता, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी नवनीत श्रीवास्तव एवं कार्यक्रम अधिकारी शुभम मिश्रा ने प्रसव प्रतीक्षालय की तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ. बंसल ने बताया कि इन प्रतीक्षालयों में उन गर्भवती महिलाओं को प्रसव की संभावित तिथि के 7-10 दिन पहले भर्ती किया जाएगा, जो दुर्गम क्षेत्रों में रहती हैं या जिन्हें उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था है। प्रसव पीड़ा शुरू होने पर महिलाओं को लेबर रूम में शिफ्ट किया जाएगा, ताकि उन्हें सुरक्षित प्रसव सेवाएं मिल सकें।

कार्यक्रम के दौरान जिला चिकित्सालय मुरैना में आरएमओ डा. डी एस यादव, सहायक प्रबंधक रविन्द्र प्रजापति, पीआईसीयू के डॉ. दिलीप राठौर, डॉ. गजेन्द्र सिंह कुशवाह, पहाड़गढ़ में सीबीएमओ डॉ. अनुभा महेश्वरी, अंतरा फाउंडेशन के कार्यक्रम अधिकारी दीपेश राजपूत, बीपीएम शिवेन्द्र अवस्थी, डॉ. कुलदीप तोमर, सीबीएमओ कैलारस डॉ. एस.आर. मिश्रा, प्रभारी बीपीएम सत्येन्द्र धाकड़ और लेबर रूम स्टाफ आरती अटेरिया, उषा तोमर, आरती, माया प्रजापति, रागिनी चौहान सहित कई अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

इस प्रसव प्रतीक्षालय की स्थापना से ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में माताओं को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी और उन्हें सुरक्षित प्रसव के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

एसडीएम अम्बाह ने जनसुनवाई के दौरान लोहापीटा की बस्ती में पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुना

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। अम्बाह विकासखण्ड के ग्राम इनानकी निवासी लोहपीटा समाज के लोग अपनी समस्याओं को लेकर बार-बार एसडीएम अम्बाह अरविन्द माहौर के पास आ रहे थे। लोगों की समस्याओं का समाधान समय पर हों। इस संबंध में एसडीएम अम्बाह ने जनसुनवाई के उपरांत ग्राम इनानकी में पहुंचकर लोहपीटा बस्ती के लोगों से रू-ब-रू हुये और उनकी समस्याओं को सुना एवं उनकी समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन भी दिया।

विभागीय अधिकारी योजनाओं में गति लायें: कलेक्टर

कलेक्टर ने बैटनरी, कृषि, सहकारिता, उद्यानिकी, मत्स्य और कृषि यांत्रिकी विभागों की समीक्षा की

पदीय दायित्वों का निर्वहन न करने पर 04 एसएडीओ तत्काल प्रभाव से निलंबित

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। प्रदेश सरकार की मंशा है कि सभी विभागों में संचालित योजनाओं से लोगों को लाभ मिले। इस संबंध में कलेक्टर अंकित अस्थाना ने मंगलवार को बैटनरी, कृषि, सहकारिता, उद्यानिकी, मत्स्य और कृषि यांत्रिकी विभागों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि विभागीय अधिकारी योजनाओं में गति लायें, लापरवाही पाये जाने पर सीधे निलंबन की कार्रवाही की जायेगी। बैठक के दौरान उन्होंने पदीय दायित्वों का निर्वहन न करने वाले 04 एसएडीओ को निलंबित करने के निर्देश दिये। बैठक में सीईओ जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले, सहायक संचालक कृषि अनंत सड़िया, वैटनरी विभाग के उपसंचालक डॉ. आरएम स्वामी, मत्स्य विभाग के कमल नार्वे सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं अधीनस्थ कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर अंकित अस्थाना ने उपसंचालक बैटनरी को निर्देश दिये कि आचार्य विद्यासागर योजना के तहत लक्ष्य के विरूद्ध 105 प्रकरण तैयार किये गये है। उन्होंने केसीसी और गौशालाओं के प्रबंधन पर विशेष जोर दिया।

कलेक्टर अंकित अस्थाना ने कृषि विभाग की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि विकासखण्ड स्तर पर खाद, बीज के सैम्पल की कार्यवाही कम पाई गई है। इस पर उन्होंने प्रभारी एसएडीओ से वन-टू-वन चर्चा की, जिसमें एसएडीओ पोरसा ने बताया कि प्रभार दिया गया है। अधिकार नहीं। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुये एसएडीओ पोरसा मोहनलाल शर्मा, सबलगढ़ के एसएडीओ मुकेश शाक्य, जौरा के एसएडीओ वीपी जादौन और कैलारस के एसएडीओ मुनेश रावत को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश सहायक संचालक कृषि को दिये। बैठक में कलेक्टर ने खरीफ की बुवाई के रकबे की जानकारी प्राप्त की। जिसमें बताया कि 2 लाख 72 हजार रकबे में से 2 लाख 45 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ की बुवाई की गई थी। जिसमें बाजरा, धान, ज्वार, मक्का, तुवर, उड़द, मूंगफली, तिल, सोयाबीन आदि की बुवाई की गई है। सहायक संचालक ने बताया कि रबि फसल के लिये 2 लाख 72 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई की जाना है।

बैठक में कलेक्टर ने जिले में खाद, बीज की उपलब्धता के बारे में विस्तार से निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि खाद की कमी नहीं है, सभी को नियमानुसार खाद वितरण हो। खाद वितरण में रोटेशन के हिसाब से दो-दो प्राइवेट काउंटरों से भी वितरण किया जाये।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिले में आलू की बुवाई कितने क्षेत्र में की जाती है। इस पर उद्यानिकी के सहायक संचालक ने बताया कि अंबाह, पोरसा में 40 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में आलू की बुवाई की जाती है।

बैठक में कलेक्टर ने मत्स्य विभाग की विस्तार से समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होनें मछुआरों से लेकर मछली विक्रेताओं और जिले में तालाब आदि के बारे में विस्तार से समीक्षा की।

क्वारी नदी में डूबने से दो भतीजों की मौत, चाचा को बचाया

कैलारस क्षेत्र में खेरे वाली माता के घाट पर हुआ हादसा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/कैलारस। सर्वपितृ अमावस्या के मौके पर पितरों को आखिरी तर्पण कर डाव विसर्जन करने चाचा के साथ गए दो भतीजों की क्वारी नदी में डूबने से मौत हो गई। हादसा कैलारस क्षेत्र में बड़ा गांव के खेरेवाली माता मंदिर के पीछे स्थित क्वारी नदी के घाट पर हुआ। हादसे के बाद करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद एनडीआरएफ की टीम ने गोताखोरों की मदद से दोनों शवों को बाहर निकाला।

मिली जानकारी के मुताबिक कस्बा कैलारस में शुगर मिल के सामने रहने वाले उदय सिंह कुशवाह 24 पुत्र लालाराम कुशवाह बुधवार को सर्वपितृ अमावस्या के मौके पर पितरों को आखिरी तर्पण कर डाव विसर्जन करने के लिए क्वारी नदी के खेरेवाली माता के पीछे घाट पर पहुंचा हुआ था। उदय सिंह के साथ भतीजे राहुल कुशवाह, गोलू उर्फ रोहित कुशवाह समेत पड़ौस में रहने वाले कान्हा कुशवाह, आशीष कुशवाह, सूरज कुशवाह भी नदी पर पहुंचें थे। तर्पण करने के बाद उदय सिंह ने डाव विसर्जन किया, जिसके बाद उदय सिंह और उसके भतीजे एवं अन्य नदी में नहा रहे थे। इसी दौरान उदय सिंह के भतीजे राहुल 18 पुत्र मेघसिंह और रोहित कुशवाह 15 पुत्र मेघ सिंह गहरे पानी में डूब गए। उन्होंने दोनों की काफी देर तक पानी में तलाश की, लेकिन पता नहीं चला। तब उन्होंने पुलिस को सूचना दी। कैलारस थाना प्रभारी सुनील खेमरिया फोर्स के साथ मौके पर पहुंचें, उन्होंने एनडीआरएफ की मदद से नदी में डूबे दोनों लड़कों की तलाश शुरू कराई। एनडीआरएफ ने सबलगढ़ से आए स्थानीय गोताखोरों की मदद से करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद राहुल और रोहित को नदी से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने दोनों शव परिजन को सौंप दिए हैं।

पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों को दिया 5100 रूपये का ईनाम

नदी में डूबे दोनों लड़कों के शवों को बाहर निकालने में स्थानीय गोताखोरों की खासी भूमिका रही। जिसके लिए टीआई सुनील खेमरिया ने गोताखोर रतनलाल बाथम, दौजी बाथम, विक्की बाथम, बनवारी बाथम, राकेश बाथम, मुरारी बाथम और राजू बाथम को नकद 5100 रूपये की राशि बतौर पुरुस्कार भेंट की।

जेएसएस मुरैना ने मनाई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। जन शिक्षण संस्थान मुरैना ने गांधी जायंती के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को याद कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। संस्थान निदेशक उमेश शर्मा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको याद करते हुए कहा कि हम सभी को महात्मा गांधी के विचारों को मन से ढालने का प्रयत्न करना चाहिए। गांधी जी अहिंसा परमो धर्मो वाले मार्ग पर चलना चाहिए। जीवन में किसी भी प्रकार की हिंसा करने से बचना चाहिए।

महात्मा गांधी के अनमोल और प्रेरक विचार जो किसी भी व्यक्ति का जीवन बदल सकते हैं जैसे खुद को खोजने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप खुद को दूसरों की सेवा में खो दें। ताकत शारीरिक शक्ति से नहीं आती है यह अदम्य इच्छा शक्ति से आती है। कमज़ोर कभी माफ नहीं कर सकते क्षमा ताकतवर की विशेषता है। आप मुझे जंजीरों में जकड़ सकते हैं, यातना दे सकते हैं, इस शरीर को नष्ट कर सकते हैं, लेकिन आप कभी मेरे विचारों को कैद नहीं कर सकते। स्वास्थ्य ही है असली धन सोने और चांदी के टुकड़े नहीं। खुशी तब मिलेगी जब आप जो सोचते हैं जो कहते हैं और जो करते हैं सामंजस्य में हों। भविष्य इस बात पर निर्भर करता है किए आज आप क्या कर रहे हैं। एक अच्छा इंसान हर सजीव का मित्र होता है। थोड़ा-सा अभ्यास बहुत सारे उपदेशों से बेहतर है। मनुष्य केवल अपने विचारों की उपज है वह जैसा सोचता है वैसा बन जाता है।

इस दौरान संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी नवल किशोर, सहायक कार्यक्रम अधिकारी गिर्राज डण्डोतिया, रजत कुशवाह, लेखापाल आशीष शिवहरे, दीपक चौहान आदि लोग उपस्थिता रहे।

आखिरी तर्पण के साथ पितृ पक्ष का हुआ समापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पितृपक्ष के आखिरी दिन (सर्व पितृ मोक्ष अमावस्या) बुधवार को लोगों ने अपने पितरों को आखिरी तर्पण किया।

विगत 15 दिनों से अपने पितरों को तर्पण कर रहे लोग अंतिम दिन तर्पण करने के लिए चंबल, क्वारी, आसन व सांक नदियों पर पहुंचे। सूर्योदय से पूर्व ही लोगों ने नदी के पवित्र जल में स्नान किया और वैदिक क्रिया के साथ अंतिम बार पितरों को जल तर्पण किया। इसके साथ ही उनके द्वारा डाव का विसर्जन भी किया। तर्पण करने के बाद अमावस्या के मौके पर लोगों ने अपने भूले-बिसरे पितरों की स्मृति में ब्राह्मणों को भोजन कराया और दक्षिणा प्रदान की।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर दिलाई सदस्यता

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। 02 अक्टूबर को अमर शहीद सम्मान सेवा संघ अम्बाह के द्वारा मुरैना जिले की ओल्ड हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित मिसोमेथेस्ट एकेडमी में सदस्यता अभियान के तहत सदस्यता ग्रहण कराई, जिसमें अमर शहीद सम्मान सेवा संघ के कार्यों से प्रभावित होकर राष्ट्र भक्तों ने शहीदों के सम्मान, स्वाभिमान, बलिदान को सर्वश्रेष्ठ मानते हुए समाज के युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए जागरूक करने के लिए सदस्यता ग्रहण की। जिसमें अमर शहीद सम्मान सेवा संघ के अध्यक्ष-संदीप सिंह तोमर, उपाध्यक्ष-धर्मेन्द्र सिंह तोमर, सचिव-विनेन्द्र सिंह तोमर, कोषाध्यक्ष-अजय अग्रवाल, सहायक सचिव- ब्रजमोहन शर्मा, सहायक कोषाध्यक्ष - सत्येन्द्र सिंह चौहान, मीडिया प्रभारी- धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार (सरसेनी) की उपस्थिति में हवलदार-सुनील शर्मा (RETD) (रुअर) मुरैना, नृपेन्द्र सिंह तोमर (बरेह) मुरैना, दिनेश आरोलिया अम्बाह, राहुल सिंह तोमर अमिलेड़ा, निश्चय प्रताप सिंह मुरैना, अरविन्द सिंह धाकरे मुरैना, अंकित सिंह सिकरवार मुरैना, दिनेश शर्मा मुरैना, आशुतोष सिंह सिकरवार मुरैना, ध्रुव लहरिया ग्वालियर, गुलशन रजक ग्वालियर सभी ने अमर शहीद सम्मान सेवा संघ की सदस्यता ग्रहण की।

अग्रवाल संघ आज मनायेगा अग्रसेन जयंती

मुरैना। अग्रवाल संघ मुरैना द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कुल प्रवर्तक श्री श्री 1008 भगवान श्री अग्रसेन जी की 5048वीं जयंती बड़ी धूमधाम के साथ कुल देवी माता लक्ष्मी जी के पूजन अर्चन के साथ स्थानीय पंचायती धर्मशाला मुरैना में 30 अक्टूबर को सायंकाल 6:00 बजे से मनाई जायेगी। इस दौरान अन्नकूट प्रसादी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उक्त जानकारी अग्रवाल संघ मुरैना के कार्यक्रम संयोजक राजेश मित्तल, कार्यक्रम सह संयोजक अशोक मंगल एवं गिर्जेश गर्ग चक्की पत्रकार ने दी।

सम्बन्ध विच्छेद सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री राधेश्याम शर्मा पुत्र स्व. श्री हीरालाल शर्मा निवासी- शिकारपुर रोड़ गणेशपुरा मुरैना के होकर अपने परिवार सहित निवास करते है, मेरे पक्षकार के परिवार में उनकी पत्नी श्रीमती उर्मिला व बड़ा पुत्र आशीष शर्मा एवं छोटा पुत्र ऋषिकेश शर्मा है मेरे पक्षकार का छोटा पुत्र प्राइवेट कार्य करता है उसका विवाह दिनांक 08.03.2019 को वंदना शर्मा पुत्री श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा से हुआ था मेरे पक्षकार की पुत्रवधु वंदना विवाह के पूर्व से मानसिक विकृत है, जिसकी जानकारी मेरे पक्षकार व उसके परिवार को विवाह के पश्चात चिकित्सक द्वारा इलाज कराने पर प्राप्त हुई उक्त सूचना मेरे पक्षकार ने अपने समधी श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा को दी तब लक्ष्मीनारायण शर्मा एवं उनके रिश्तेदार मेरे पक्षकार के घर आकर मेरे पक्षकार व उसके परिवार को डराते व धमकाते है कि यदि आपने मेरे बच्ची वंदना को अपने पुत्र से अलग किया तो मैं तुम्हे और तुम्हारे परिवार को मिथ्या प्रकरण में फंसा दूंगा। मेरे पक्षकार की पुत्रवधु का पागलपन बहुत ज्यादा हो गया है वह अचानक किसी से भी मारपीट करने लगती है, दो बार घर में आग लगा ली है तथा कई बार बिना बताये घर से भाग गई है जिसकी सूचना मेरे पक्षकार ने वंदना के पिता एवं पुलिस को दी तब वंदना का पिता मेरे पक्षकार एवं उसके परिवार को मिथ्या प्रकरण में फंसाने की धमकी देता है वंदना के पिता का व्यवहार मेरे पक्षकार के प्रति अत्यंत ही अशोभनीय एवं अमर्यादित होकर मेरे पक्षकार एवं उनके परिवार के सदस्यओं के साथ गाली-गलौच एवं मिथ्या प्रकरण में फंसाने की धमकी देता है और कहता है कि यदि तुम लोगों ने मेरे पुत्री वंदना के प्रति कानूनी कार्यवाही की तो तुम्हारे पूरे परिवार को जेल करा दूंगा। उक्त कारणों से परेशान होकर मेरे पक्षकार अपने छोटे पत्र ऋषिकेश एवं पुत्रवधु वंदना से अपने हर प्रकार के सम्बन्ध विच्छेदित करते है, तथा उसे अपनी चल एवं अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हैं, मेरे पक्षकार के छोटे पुत्र ऋषिकेश शर्मा को यदि कोई व्यक्ति, बैंक, निगम अथवा संस्था किसी भी प्रकार का कोई लेन-देन, संव्यहार करते है तो उसके लिये मेरा पक्षकार एवं उसका परिवार किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होंगे तथा मेरे पक्षकार के छोटे पुत्र ऋषिकेश शर्मा के किसी भी प्रकार के कृत्य के लिए मेरा पक्षकार एवं उसका परिवार किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं रहेंगे।

अतः सर्वसाधारण सूचित हों।

दिनांक 22.09.2024

सूचनाकर्ता

श्री राधेश्याम शर्मा पुत्र स्व. श्री हीरालाल शर्मा
निवासी- शिकारपुर रोड़ गणेशपुरा मुरैना
द्वारा अभिभाषक
अरूण नारगे एडवोकेट
म.प्र. उच्च न्यायालय खण्ड पीठ ग्वालियर

एन.आर.सी. में भर्ती शिशुओं की माताओं को बताया एच.आई.वी. जांच का महत्व

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। सघन जागरूकता अभियान के अंतर्गत आईसीटीसी द्वारा सिविल हॉस्पिटल जौरा के पोषण पुनर्वास केन्द्र एनआरसी में भर्ती कुपोषित शिशुओं की माताओं को स्वास्थ्य एवं पोषण से संबंधित जानकारी देकर उन्हें एचआईवी एड्स के प्रति जागरूक किया गया। आईसीटीसी परामर्शदाता संदीप सेंगर, बीसीएम श्रीमती मधु सैमिल, एएनएम श्रीमती किरण शाक्य, विभिन्न ग्रामों से आई कुपोषित बच्चों की माताएं एवं उनके परिवारजन उपस्थित थे।

बैठक के दौरान उपस्थित महिलाओं को परामर्शदाता संदीप सेंगर ने आईसीटीसी एवं सघन जागरूकता अभियान की जानकारी दी तथा एचआईवी एड्स के प्रति उन्हें जागरूक भी किया। एचआईवी की जांच के महत्व को समझाते हुए उनकी सहमति अनुसार एचआईवी की जांच कराई गई। इस अवसर पर मधु सेमिल ने महिलाओं को पोषण से संबंधित जानकारी दी। साथ ही बच्चों की उचित देखभाल, नियमित टीकाकरण आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। हेपेटाइटिस बी, सी, परिवार नियोजन आदि के बारे में भी जानकारी दी गई।

स्वच्छता दिवस के अवसर पर सफाई मित्रों का किया सम्मान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। नगर निगम मुरैना व जिला पंचायत के सहयोग से जीवाजी गंज स्थित टाउनहॉल मुरैना में बुधवार को स्वच्छता दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से जुड़ें। तत्पश्चात कुशाभाऊ ठाकरे अन्तर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेन्टर भोपाल से पूर्वाहन 11 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाइव प्रसारण के माध्यम से सम्बोधित किया ।

टाउन हॉल में सांसद शिवमंगल सिंह तोमर ने कहा स्वच्छता और सेवा बनी रहे। इसके लिए सेवाभाव से साफ सफाई करते रहना चाहिए। श्री तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में स्वच्छता पखवाड़ा चलाया है। इससे हमें सीख लेना चाहिए। गांव, नगर स्वच्छ रहे, यह हम सभी का दायित्व है। कार्यक्रम के अंत में सफाई मित्रों को शाल, श्रीफल, माला एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती आरती गुर्जर, नगर निगम के अंतर्गत पाषर्दगण गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में सफाई मित्र उपस्थित थे।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत ऊर्जा मंत्री ने की सफाई

वार्ड 33 की प्याऊ वाली गली में सड़क, बिजली, सीवर और पानी की जनसमस्याओं का किया निरीक्षण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बुधवार 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अन्तर्गत ग्वालियर-15 विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 33 में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सुबह वार्ड क्रमांक 33 की प्याऊ वाली गली में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सफाई करते हुए क्षेत्र की साफ-सफाई कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आपकी सेवा हेतु आपके हर सुख-दुख में यह सेवक सदैव तत्पर है। इस अवसर पर उन्होंने वार्ड 33 के प्याऊ बाली गली में सड़क, सीवर, विद्युत व्यवस्था का निरिक्षण किया एवं मौके पर ही अधिकारियों को समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जनसमस्याओं का निराकरण तेजी के साथ हो और निर्धारित समयावधि में हो तथा निराकरण की जानकारी सम्बन्धित आवेदक को मिले। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री के निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त नगर निगम मुनीष सिंह सिकरवार, क्षेत्रीय अधिकारी श्री शाक्य, सीवर नोडल अधिकारी श्री गुप्ता तथा विद्युत विभाग के अधिकारियों सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नवरात्रि पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सभी प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

ग्वालियर। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर मां दुर्गा का आशीर्वाद सम्पूर्ण प्रदेशवासियों पर बना रहे। नवरात्रि के नौ दिनों में देवी मां के पूजन से प्रदेशवासियों को धन, सुख, समृद्धि, सौभाग्य और अच्छे स्वास्थ्य का वरदान मिले।

माताबसैया में फांसी लगाकर युवक ने की खुदकुशी

मुरैना। माताबसैया गांव में रहने वाले बबूल उर्फ विशंभर लोखरे 30 पुत्र हरिशंकर लोखरे ने बुधवार को अपने घर से करीब सौ मीटर की दूरी पर स्थित एक पेड़ से रस्सी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली।

बापू व शास्त्री जी की जयंती पर स्काउट गाइड ने किया कार्यक्रम का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भारत के दो महान अमर सपूत महात्मा गांधी एवं लालबहादुर शास्त्री की जयंती के शुभ अवसर पर 02 अक्टूबर को सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट बालक छात्रावास गणेशपुरा मुरैना में डॉ. विवेक राठी अध्यक्ष भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ मुरैना के मुख्य अतिथि में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन सुखदेव सिंह चौहान सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट चम्बल संभाग मुरैना द्वारा किया गया। सर्व धर्म प्रार्थना सभा में एक सैकड़ा से अधिक स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर, यूनिट लीडर, चंबल संभाग मुरैना के अधिकारी, जिला संघ मुरैना के पदाधिकारी, अधिकारी, कर्मचारीगण की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य समारोह 02 अक्टूबर को प्रातः 9:00 बजे सर्व धर्म प्रार्थना सभा के साथ प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि ने गांधी जी एवं शास्त्री जी की सादगी, उच्च विचार, सादा जीवन, उच्च विचार का अनुसरण करते हुए वक्ताओं ने प्रकाश डाला। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विवेक राठी ने गांधी जी एवं शास्त्री जी के बताए हुए रास्ते पर चलने का संकल्प दिलाया। क्लैप कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रावास परिसर मुरैना में क्लैप कार्यक्रम एवं स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत साफ-सफाई की गई।

उपरोक्त दोनों कार्यक्रमों में डॉ. विवेक राठी अध्यक्ष जिला संघ मुरैना, सुखदेव सिंह चौहान सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट चंबल संभाग मुरैना, वीर सिंह यादव, ओ.पी. सिकरवार, अतर सिंह राजपूत जिला प्रशिक्षण आयुक्त मुरैना, मूलचंद गौड़ एएलटी स्काउट मुरैना, हरेंद्र कुमार दीक्षित ज्ञानोदय विद्यालय मुरैना, श्रीमती सारिका चतुर्वेदी ज्ञानोदय विद्यालय मुरैना, श्रीमती खैरुन्निसा खान मुरैना, अभिनंदन सिंह तोमर, बृजेश कुशवाहा, श्रीमती माया चौहान, अनुपम जादौन, अमर सिंह विमल, मुकेश कुमार कनेरिया आदि का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

जिपं सीईओ की अध्यक्षता में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत डीपीएमयू की बैठक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले के निर्देशन में जिला शिक्षा केंद्र के तत्वाधान में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफएलएन) आधारित डीपीएमयू बैठक का आयोजन जिला पंचायत सभागार में किया गया। बैठक में जिला परियोजना समन्वयक हरीश तिवारी, निपुण प्रोफेशनल दुर्गेश सिंह, समस्त एपीसी, समस्त खण्ड स्त्रोत समन्वयक, और एमआईएस कोऑर्डिनेटर उपस्थित थे। डीपीएमयू बैठक का संचालन निपुण प्रोफेशनल दुर्गेश सिंह द्वारा किया गया।

पिछले माह की जिला समीक्षा बैठक में कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में सीईओ जिला पंचायत डॉ. गढ़पाले ने सर्वप्रथम समस्त जिले के अवलोकनकर्ताओं से शिक्षा एमपी एल्गीकेशन के माध्यम से

निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध कम मेंटरिंग विजिट करने वाले अवलोकनकर्ताओं को निर्देश दिये कि वे अपने लक्ष्यों के अनुसार शाला मेंटरिंग विजिट को प्राथमिकता दें। इसके आधार पर शाला मेंटरिंग विजिट की रिपोर्ट का गहन विश्लेषण किया गया और चर्चा की गई। सीईओ जिला पंचायत ने यूनिक शाला कवरेज रिपोर्ट संतोषजनक नहीं होने पर स्थिति में सुधार हेतु समस्त अवलोकनकर्ताओं को निर्देश दिये कि वे प्रत्येक माह के लक्ष्यों के अनुसार शैक्षणिक अवलोकन को प्राथमिकता दें। बैठक के दौरान, निपुण प्रोफेशनल द्वारा शैक्षणिक अवलोकन के समय कुछ शालाओं में पुस्तकों की कमी की जानकारी प्रस्तुत की गई।जिस पर सीईओ जिला पंचायत ने समस्त बीआरसी को निर्देश दिये कि वे अपने-अपने खण्ड की शालाओं में पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करें और जहां भी कमी हो, वहां शीघ्रता से पुस्तकों की आपूर्ति कर शत-प्रतिशत पूर्ति का प्रमाण प्रस्तुत करें। इसके साथ, शिक्षक संदर्शिका, अंकुर वर्कबुक और अंकुर ट्रैकर की ऑनलाइन पोर्टल पर शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. अंजली पब्लिकेशन एबी रोड़ मथुरा से मुद्रित, एवं ए-44-फस्ट फ्लोर, अशोका इन्क्लेव, पार्ट-2 सेक्टर- 37 फरीदाबाद हरियाणा (NCR) से प्रकाशित, आरएनआई नं. एचएआरएचआईएन /2009/ 28496 संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे। मो. 9958434103 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।